आश्विन शुक्ल पक्ष-01, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 101 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
03 अक्टूबर 2024 गुरुवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज से नवरात्रि शुरू

1200 अंक का गोता लगाया सेंसेक्स ने, निफ्टी भी नीचे

इजरायल के तेवरों से सहमा भारतीय शेयर बाजार, मचा हाहाकार

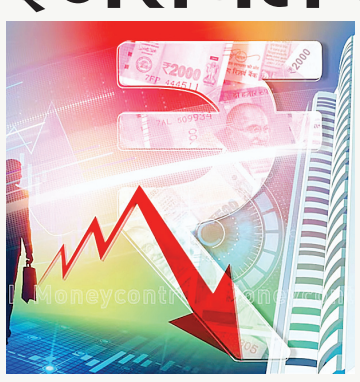

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार में आज जबर्दस्त गिरावट से खलबली मच गई है। इजरायल व ईरान के बाच बढ़े तनाव ने बाजार का मूड बिगाड़ दिया है। अब शेयर बाजार को सबसे बड़ा डर ये सता रहा है, कि इजरायल क्या कदम उठाएगा। इसके चलते सेंसेक्स ने 1200 अंक का गोता लगा दिया है तो निफ्टी में भी 300 अंक की गिरावट से निवेशकों को जमकर झटके लग रहे हैं। इसके चलते मार्केट केप करीब एक लाख करोड़ रुपए कम हो गया है। आज ऑटो, एनर्जी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। जानकारों का मानना है कि ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट में निगेटिव सेंटिमेंट है। इसी का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। हालांकि स्मॉल-कैप सेगमेंट में शेयर बाजार के मौजूदा वैल्यूएशन बढ़े हुए हैं। एक अन्य कारण यह भी है कि अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है। उधर एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 2.24% की तेजी है। वहीं हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 2.43% और कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 1.22% की गिरावट है। इससे पहले 1 अक्टूबर को सेंसेक्स 33 अंक की गिरावट के साथ 84,266 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 15 अंक की गिरावट रही जबकि कल बाजार बंद था।

एक साथ 5 मोर्चे पर लड़ रहा इजरायल

दूसरी तरफ इजरायल ने एक साथ पांच मोर्चे खोल रखे हैं। वह लेबनान व ईरान से भिडा हुआ है ही, उसकी सेना गाजा में हमास, ईरान और यमन में हूती विद्रोहियों से मुकाबला कर रही है। सीरिया में भी इजराइल ने हमला किया है, जिसमें 3 लोग मारे गए। गाजा में इजराइली हमले में 8 लोगों की मौत हुई है। वहीं इजराइली अधिकारियों ने लेबनान पर चलाए जा रहे ऑपरेशन में सेना ने हिजबुल्लाह के 50% हथियार नष्ट कर दिए हैं। इसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ कई हजार रॉकेट भी शामिल हैं। उधर लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला हबीब ने बताया कि हिजबुल्लाह चीफहसन नसरल्लाह 21 दिन के सीजफायर के लिए मान गए थे। लेबनान संसद के स्पीकर नबीह बेरी ने हिजबुल्लाह चीफ से बातचीत की थी।

मानसून जहां सबसे बाद में पहुंचा, अब वहीं से विदाई की शुरूआत

ग्वालियर, भिंड से विदाई, भोपाल में तेज धूप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी और श्योपुर से मानसून के लौटने की घोषणा कर दी है। आज उज्जैन संभाग के कुछ जिलों से मानसून विदा हो सकता है।

सबसे आखिरी में जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग से विदाई होगी। मौसम विभाग ने कहा है कि कल से बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया सक्रिय हो रहा है। इस वजह से राज्य के पूर्वी हिस्से से विदाई देरी से होगी। वहीं आज बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में बूंदाबांदी और गरज-चमक की स्थिति रह सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के बाकी के जिलों में तेज धूप खिलेगी। गौरतलब है कि मप्र में 21 जून को मानसून की आमद दर्ज की गई थी। जबलपुर संभाग के रास्ते मानसून आया था। 28 जून को सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल संभाग में मानसून पहुंचा था, लेकिन विदाई सबसे पहले यहीं से हुई है। यहां करीब 95 दिन तक मानसून एक्टिव रहा।

दो दिन खाली रही मुख्यसचिव की कुर्सी, नए सीएस ने चार्ज लिया

अब ब्यूरोक्रेसी में नया राग, जैन ने संभाला दफ्तर, सिंग्रामपुर पर नजर

पहले दिन मंत्रालय के वरिष्ठ अफसरों से की मुलाकातें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के नए मुख्य सचिव के तौर पर आज सीनियर आईएएस अफसर अनुराग जैन ने काम शुरू कर दिया। उनकी नियुक्ति 30 सितंबर को की गई थी लेकिन उन्होंने तीन दिन बाद आज नवरात्रि के पहले दिन मंत्रालय पहुंचकर अपना नया कार्यभार संभाला। मंत्रालय पहुंचकर पर सीएम के अपर मुख्यसचिव राजेश राजौरा और अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। काम संभालने के साथ ही जैन काम में जुट गए हैं।

दरअसल,प्रदेश में पहली बार ऐसा रहा कि दो दिनों तक मुख्य सचिव नहीं रहे हैं। बताया जाता है कि जैन ने आज काम संभालते ही जरूरी फाइलें देखना शुरू कर दी हैं। वे मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी मुलाकात कर रहे हैं। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले जैन सीएम सचिवालय में तैनात रह चुके हैं। वे राजधानी भोपाल के भी कलेक्टर रहे हैं तथा नाथ सरकार में वह वित्त विभाग के प्रमुखसचिव भी थे। आईआईटी से अनुराग जैन ने इलेक्ट्रिक्ल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। कार्यभार संभालने के तत्काल बाद जैन को सरकार की डेस्टिनेशन कैबिनेट की भी तैयारी करना है।

सीएम हरियाणा चुनाव प्रचार में व्यस्त

इधर मुख्यमंत्री मोहन यादव आज हरियाणा के झज्जर व भिवानी में चुनाव प्रचार के लिये पहुंचे हैं। वे यहां सभा व रोड शो कर रहे हैं और देर शाम भोपाल लौटेंगे। यादव कल शाम से ही दिल्ली में हैं। इससे पहले भी वे हरियाणा के दो चुनावी दौरे कर चुके हैं।

पहली डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक की तैयारी शुरू

पांच अक्टूबर को मोहन यादव कैबिनेट की बैठक दमोह के सिंग्रामपुर में होगी। इसके लिये सिंग्रामपुर में हिल टॉप एक हेलीपैड का निर्माण किया गया है। इस दिन वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती है। सिंग्रामपुर यानी प्राचीन संग्रामपुर ही वह स्थान है जहां गोंड रानी दुर्गावती की पहली राजधानी रहा सिंगौरगढ़ का किला मौजूद है। बताया जाता है कि सिंग्रामपुर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव पर भी कैबिनेट में मोहर लग सकती है। यहां दुर्गावती के नाम पर संग्रहालय, ऑडिटोरियम, सीएम राइज स्कूल, आईटीआई की स्थापना और पेयजल और सिंचाई के लिए तालाब निर्माण के प्रस्तावों समेत बुंदेलखंड क्षेत्र की प्रस्तावित विकास परियोजनाओं को भी मंजूरी दी जा सकती है। इसके अलावा प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के साथ घट रही दुष्कर्म और अत्याचार की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार रानी दुर्गावती के नाम पर वुमन सेफ्टी से जुड़ा कोई बड़ा निर्णय ले सकती है।

मणिपुर में 11 कुकी के बदले छोड़े गए 2 मैतेई

मणिपुर, एजेंसी।

हिंसाग्रस्तमणिपुर के कांगपोकपी जिले से किडनैप किए गए दो मैतेई युवाओं को गुरुवार को 11 कुकी लोगों के बदले में रिहा कर दिया गया। यह घटना उस समय सामने आई जब मैतेई समूह संयुक्त कार्रवाई समिति ने दोनों युवाओं के अपहरण के विरोध में बंद का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने इस घटना के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 27 सितंबर 2024 को कांगपोकपी में अपहृत किए गए दोनों युवक अब सुरक्षित रूप से मणिपुर पुलिस की कस्टडी में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 11 कुकी लोगों को बदले में 2 मैतेई युवाओं को छोड़ा गया।

दिल्ली में युवकों ने डॉक्टर को मारी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के जैतपुर इलाके में स्थित नर्सिंग होम में एक डॉक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मरहम-पट्टी कराने आए दो लड़कों ने डॉक्टर को नजदीक से सिर में गोली मार दी। मौके पर ही डॉक्टर जावेद ने दम तोड़ दिया। आरोपी महज 16-17 साल के बताए जा रहे हैं। एक दिन पहले भी दोनों 'नीमा हॉस्पिटल' नाम के नर्सिंग होम में इलाज कराने आए थे। घटना रात करीब दो बजे की है। बताया जाता है कि आरोपी 16-17 साल के दो लड़के थे जो एक बजे नर्सिंग होम में आए। इसमें से एक ने अपने अपने पैर की अंगुली में ड्रेसिंग बदलने को कहा। इसके बाद दोनों दवा की पर्ची के लिए यूनानी प्रैक्टिशनर जावेद के केबिन में गए। कुछ देर बाद नर्सिंग स्टाफ ने गोली चलने की आवाज सुनी।

हत्याकांड में पूर्व विधायक को सजा, पूर्व सांसद को संदेह लाभ

पटना, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने आज बिहार के पूर्व मंत्री बृजबिहारी प्रसाद की 1998 में हुई हत्या के मामले में सजा का एलान किया। कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जस्टिस संजीव खन्ना, संजय कुमार और आर महादेवन की पीठ ने सभी आरोपियों को बरी करने के पटना हाईकोर्ट के फैसले को आंशिक रूप से खारिज कर दिया। कोर्ट ने दोषियों मंटू तिवारी और पूर्व विधायक शुक्ला को 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत छह अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें बरी करने के फैसले को बरकरार रखा।

अरविंद केजरीवाल को मिला घर, नया पता-बंगला नं 5

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कल शुक्रवार को अपना सीएम आवास खाली करेंगे। वे अब एक सांसद आवास में शिफ्ट होने जा रहे हैं। यह आम आदमी पार्टी के एक राज्यसभा सांसद के नाम आवंटित है, जो नई दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर है। यानी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक का नया पता है- बंगला नंबर 5, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, पार्षदों, विधायकों और सांसदों ने केजरीवाल को अपना घर देने की पेशकश की थी। केजरीवाल के लिए एक ऐसे घर की तलाश थी जो पार्टी मुख्यालय से नजदीक हो।

अब यहां रहने से केजरीवाल को कई फायदे होंगे। एक तरफजहां वह अपनी विधानसभा सीट को साध सकते हैं तो दूसरी तरफ पार्टी मुख्यालय तक उनकी पहुंच आसान रहेगी। आम आदमी पार्टी ने कहा था कि केजरीवाल नवरात्रि के दौरान मुख्यमंत्री आवास खाली कर देंगे। इस आवास को लेकर काफी राजनीति भी होती रही है।

गबन आरोपी समेत चार परिजनों शव फंदे पर मिले

पांदुर्ना, एजेंसी।

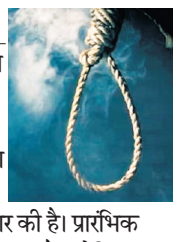

मातृ सेवा इंडिया नीति लिमिटेड संस्था में हुए 17 लाख रुपए के गबन के आरोपी गणेश पचौरी उसके माता-पिता और भाई का शव फंदे पर लटका मिला है। घटना महाराष्ट्र में नागपुर जिले के मोवाड गांव के वार्ड 5 बुधवार की है। प्रारंभिक जांच में मामला सुसाइड का बताया जा रहा है क्योंकि पुलिस को आरोपी गणेश की जेब से सुसाइड नोट मिला है लेकिन पुलिस हर एंगल से घटना की जांच कर रही है। मृतकों में गणेश पचौरी, पिता विजय पचौरी, मां माला पचौरी और छोटा भाई दीपक पचौरी शामिल हैं। सभी के शवों को नागपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। जहां आज चारों का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में 20 करोड़ की कथित हेराफेरी का मामला

ईडी के लपेटे में आए पूर्व कैप्टन अजहरूद्दीन

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तलब किया है। पहले एचसीए के अध्यक्ष रह चुके अजहरुद्दीन पर अपने कार्यकाल के दौरान धन के दुरुपयोग का आरोप है। इस मामले में ईडी की ओर से अजहरुद्दीन को जारी किया गया यह पहला समन है। यह मामला हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और छतरियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी से संबंधित है।

दरअसल, पिछले साल ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत तेलंगाना में 9 स्थानों पर छापेमारी की थी। इसमें एचसीए के पूर्व पदाधिकारियों गद्दाम विनोद, शिवलाल यादव और अरशद अयूब के आवास भी शामिल थे। इस रेड में ईडी के हाथ कई महत्वपूर्ण दस्तावेज लगे थे। खबरों के अनुसार, ईडी की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) हैदराबाद द्वारा दर्ज की गई तीन एफआईआर पर आधारित है, जिसमें खरीद प्रक्रियाओं में गंभीर अनियमितताओं, कार्यों में देरी और एचसीए को हुए नुकसान का जिक्र है। आरोप पत्र में यह भी कहा गया है कि एचसीए के पदाधिकारियों ने निजी पार्टियों के साथ मिलकर बढ़ी हुई दरों पर निविदाएं आवंटित कीं, काम पूरा हुए बिना अग्रिम भुगतान किया और बड़े मूल्य के नकद लेनदेन में लगे रहे।

छोडना पड़ा था पद

अजहरूद्दीन सितंबर 2019 में एचसीए अध्यक्ष चुने गए थे। मगरजून 2021 में उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था। वकील कोंडा कृष्णा ने उस वक्त अजहरूद्दीन की ओर से कहा था कि पुलिस ने उन्हें केवल इसलिए आरोपी बनाया है, क्योंकि वह संबंधित समय में एचसीए के अध्यक्ष थे। दूसरी ओर, सरकारी वकील बुची रेड्डी ने कहा था कि भुगतान किया गया, जबकि काम पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमने खातों का ऑडिट करवाया और यह एचसीए के पैसे के दुरुपयोग का स्पष्ट मामला निकला। अजहरूद्दीन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील के रमाकांत रेड्डी ने तब कहा कि यह विडंबना है कि एचसीए के वही सीईओ, जिन्होंने जुलाई 2021 में ऑर्डर दिया था। उन्हीं ने शिकायत दर्ज कराई, जबकि वह निलंबन भी झेल चुके हैं।

कोलार सिक्सलेन का निर्माण लगभग पूरा, अब जरूरी फिनिशिंग का दौर

सिक्सलेन के लिए तिराहा होगा चौड़ा मेट्रो के लिए रास्ता हो रहा संकरा!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार इलाके में सिक्सलेन का काम अब आखिरी दौर में पहुंच गया है, और अब आने वाली जरूरतों का आकलन करके रोड को सुविधायुक्त बनाने की कवायद शुरू हो गई है। इस कडी में अब कोलार तिराहे को चौड़ा किया जा रहा है। कल विधायक रामेश्वर शर्मा और कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह निर्माण कार्य को देखने पहुंचे। विधायक ने कहा कि कोलार तिराहे को अधिकतम चौ?ा किया जाए। ताकि, हर रोज लाखों लोगों को फायदा मिल सके। इससे पहले कोलार तिराहे, सिक्सलेन के बाकी बचे काम को लेकर पीडब्ल्यूडी के अफसरों के साथ मीटिंग भी हुई। निरीक्षण के दौरान कोलार सिक्सलेन के प्रमुख चौराहों पर बचे हुए कामों को जल्द पूरा करने के कामकाज की समीक्षा की गई।

बताया जाता है कि कोलार तिराहे को अधिकतम चौड़ा करने की जरूरत इसलिये महसूस हो रही है ताकि जाम की स्थिति न बने। दोनों ही लेफ्ट टर्न को अधिकतम चौड़ा किया जा रहा है। जिससे चार इमली, बिट्न मार्केट और मैनिट की तरफ से आने वाले वाहनों से जाम न लगे। निरीक्षण से पहले विधायक और कलेक्टर ने कोलार रेस्ट हाउस में पीडब्ल्यूडी अफसरों की मीटिंग की। इसमें कोलार सिक्सलेन के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। उल्लेखनीय है कि कोलार तिराहे से शुरू यह सिक्सलेन करीब छह किमी की है। हालांकि इसके निर्माण के बाद यह सडक अधिकांश जगह वाहनों के 'कब्जे' में नजर आती है। सडकों पर वाहन बेतरतीब खडे किये जाने लगे हैं। इससे भी पूरी सिक्सलेन सुविधा वाहनों को नहीं मिल पा रही है।

इधर मेट्रो के रास्ते पर बनी दुकानें!

दूसरी तरफ मेट्रो प्रोजेक्ट में कई बाधा अभी भी मौजूद हैं। अब छोला रोड स्थित पुट्ठा मिल के गेट पर तीन दुकानों का निर्माण अफसरों के संज्ञान में आया है। तहसीलदार को जांच के लिये कहा गया है क्योंकि इसी स्थान से मेट्रो अंडरग्राउंड गुजरना है। मेट्रो रूट के लिए पुट्ठा मिल की जमीन का अधिग्रहण होना है। यह मामला पहले ही न्यायालय में विचाराधीन है। अब दुकानों का निर्माण होने से समस्या और बढ़ गई है। अतिक्रमण की जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन और नगर निगम अलटे है। बताया जाता है कि कबाड़खाने की तरफ खुलने वाले पुट्ठा मिल के गेट पर पिछले कुछ दिनों से कंस्ट्रक्सशन हो रहा है। गेट की हालात बताती है कि यह कई दिनों से खुला ही नहीं है। इसी का फायदा उठा कर किसी यहां दुकानों का निर्माण शुरू कर दिया। जब

मिल चालू थी, उस समय इब्राहीमगंज और आसपास के इलाके के कर्मचारी मिल में आने-जाने के लिए इसी गेट का इस्तेमाल करते थे। पिछले पांच साल से गेट बंद है। कुछ स्थानीय रहवासियों ने इस दुकान निर्माण के फोटो खींच कर प्रशासन को शिकायत कर दी है। सुभाष नगर से लेकर सिंधी कॉलोनी तक मेट्रो रूट पर अतिक्रमण है। यहां पर आजाद नगर से लेकर आरा मशीनें, पुट्ठा मिल और ईरानी डेरा के अतिक्रमण पहले से समस्या बनी हुई है।

विद्यार्थी अब एक साथ ले सकेंगे दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश, भोज विवि में प्रवेश शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के विद्यार्थी अब एक साथ दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकेंगे। इसमें एक पाठ्यक्रम किसी भी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से नियमित विद्यार्थी के रूप में है, जबकि दूसरा भोज विवि से दूरस्थ माध्यम के तहत है। विद्यार्थी चाहे तो एक साथ दोनों पाठ्यक्रम मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय से भी पूरा कर सकते हैं। भोज विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। अब तक यूजी व पीजी पाठ्यक्रमों में 88 हजार नामांकन हुए हैं। प्रवेश के लिए अंतिम तिथि 15 नवंबर तक निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जिन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई है। इनमें बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीएड, बीएड सामान्य शिक्षा, विशेष शिक्षा, बीसीए, लाइब्रेरी और इनफार्मेशन साइंस में बैचलर डिग्री, जर्नलिज्म में बैचलर डिग्री के साथ-साथ नवीन पाठ्यक्रम बीएससी(साइबर सिक्योरिटी) एवं बीएससी (डेटा साइंस) संबंधी पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। साथ ही पीजी डिग्री पाठ्यक्रमों में जंतु विज्ञान, अर्थशास्त्र, हिंदी, भौतिक सहित अन्य पाठ्यक्रम हैं।

प्रवेश के लिए अंतिम तिथि 15 नवंबर, एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से होंगे आवेदन

दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से 34 पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए अनुमोदन

इस शासकीय दूरस्थ शिक्षा संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से 34 पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए अनुमोदन प्राप्त हो चुका है, जिनमें शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिन पाठ्यक्रमों के लिए अनुमोदन प्राप्त हुआ है। उनमें सामान्य कला, वाणिज्य व विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ प्रबंधन एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम भी शामिल हैं।

बैंकर्स क्लब ने सफाई कर्मवीरों का किया सम्मान

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो। बैंकर्स क्लब के सफाई अभियान का समापन सफाई कर्मवीरों के सम्मान के साथ हुआ, सम्मान में क्लब की टी शर्ट भेंट की गई। अभियान में ओमनागर, विजय नगर पंचायत की भी सहभागिता रही। इस अवसर पर महासचिव बीजेपी जगदीश यादव व क्लब अध्यक्ष सुन्दर किशनानी ने कहा कि सफाई का महत्व एवं कर्तृत्व्य का बोध हर व्यक्ति को होना चाहिए। स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के लिए स्वच्छता सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में अशोक वासवानी, राहुल वासवानी,

के.एल.मुरजानी, आर.एस.नाथानी, अर्जुन राजवानी, लक्ष्मण रामचंदानी, कैलाश वासवानी, गोविंद मीरचंदानी, सुंदर किशनानी, कमल वाछानी, आत्मा राम अंबवानी, इंदिरादास मेंघानी, दीपक सोभानी, आर.आर राठी,धर्मेन्द्र धाकड़, विक्रम सिंह, पी कहार और विशेष रूप से महिला मंडल में सुहाना वासवानी,कांता वासवानी,कृष्णा मुरजानी,पुष्पा किशनानी,सुनीता वर्मा का स्वच्छता अभियान में सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक सचिव राहुल वासवानी और अध्यक्ष सुन्दर किशनानी ने किया।

सांस्कृतिक गरबा महोत्सव 2024

गरबा ग्राउंड में माता रानी की आराधना के साथ होगी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में मध्यप्रदेश के सबसे भव्य सांस्कृतिक गरबा गरबोत्सव का आगाज होने जा रहा है। जिसमें 50 हजार वॉट के साउंड सिस्टम पर प्रतिभागी सहित हजारों लोग गरबा करते हुये माता रानी की आराधना करेंगे।सिंधी मेला समिति द्वारा सांस्कृतिक सिंधी गरबा के शुरुआत शनिवार 5 अक्टूबर को शाम सात बजे होने जा रही है। इसे लेकर लोगों में जबर्दस्त उत्साह है। यह गरबा महोत्सव 8 अक्टूबर तक चलेगा। समारोह में विशेष रूप से परम श्रद्धेय आदरणीय महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 दादूजी महाराज (शनि साधक) जी, धारावाहिक नागिन की फेम एवं फिल्म कलाकार महक चहल, ऋतु शिवपुरी, किशोर भानुशाली (जूनियर देव आनंद) डॉ. विजय डी बजाज, संस्थापक - राष्ट्रीय अध्यक्ष -विश्व भ्रष्टाचार निरोधक जन परिषद एवं डायरेक्टर -चाइल्ड ब्रेन जिम जी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, साथ ही गरबा प्रेमियों के मनोरंजन के लिए अहमदाबाद से मंकी मैंन (जैकी वाधवानी) को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा मंजुश्री आसुदानी, दृष्टि कुकरेजा, अरुधन बत्रा, अजय बजाज, कमलेश कपूर (सिंगर्स) सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि संस्कृति गरबा महोत्सव की सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है, इस बार सांस्कृतिक गरबा कुछ अलग ही रंग में दिखेगा, जहां एक और गरबा ग्राउंड में प्रतिभागी माँ की आराधना करते गरबा खेलेगे वही दूसरी और गरबा प्रेमियों के लिए कई तरह के विशेष आयोजन आयोजित किए गये है, इस वर्ष गरबे के मुख्य समारोह में सेलिब्रिटी गेस्ट, संगीतकार, गायक, तथा हिंदुस्तान के अलग अलग शहरों से सोशल मीडिया की सेलिब्रिटीज् एकता आसरानी, मोहित आहूजा, राज रोहरा कीर्ति वाधवानी, मुद्रा केसवानी, निक कुंदवानी, निखिल तनवानी, भाग्यश्री थदानी, इशिता जेसवानी, डॉ. आकांक्षा लालवानी, स्वाती पेसवानी, विक्रम सुंदरानी, हितेश गंगवानी, हेमा माधवानी, शिवानी ठक्कर, मान्या सावलानी, मनीष कुमार मलानी , सिमरन धामेजा, राहुल चेलानी को भी आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही गरबे में सिंधी फूड स्टॉल, सहित अनेक आकर्षण पुरस्कार लोगों को दिये जायेंगे।

फिल्म स्टार, मंकी मैन, इन्फ्लुएंसर्स, सिंगर्स होंगे गरबे में आकर्षण

हमीदिया में पहली आईवीयूएस गाइडेड एंजियोप्लास्टी हुई

भोपाल। हमीदिया अस्पताल के हृदय रोग विभाग की कैथ लैब में पहली बार आईवीयूएस (इंट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड) गाइडेड एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई। इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने टीम को बधाई दी और कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास है कि उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं, शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में भी उपलब्ध हों। यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ. राजीव गुप्ता एवं प्रो. डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में मात्र 10,000 रुपये में आईवीयूएस गाइडेड एंजियोप्लास्टी जैसे उच्च स्तरीय उपचार किया गया है, निजी अस्पतालों में इसका खर्च लगभग 3 लाख रुपये तक आता है। बता दें आईवीयूएस तकनीक से कोरोनरी धमनियों की दीवारों का अंदर से निरीक्षण किया जा सकता है, जिससे प्लाक बिल्डअप की मात्रा और प्रकार की सटीक जानकारी मिलती है। यह तकनीक यह समझने में मदद करती है कि मरीज को दिल का दौरा पड़ने का खतरा है या नहीं।

शिल्पकारों, स्वच्छता सेवकों का सम्मान

गांधी जयंती पर मोतिया तालाब पर स्वच्छता अभियान

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर गुरुनानक मण्डल द्वारा मोतिया तालाब पर स्वच्छता अभियान कर शिल्पकारों एंवम स्वच्छता सेवको का खादी सूत की माला पहनाकर एंव गांधी जी के चित्र का स्मृति भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कारीगरों एवं शिल्पकारों ने वर्तमान में महात्मा गांधी जी के सपने को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'वोकल फॉर लोकल' का एक भरोसेमंद ब्रांड को भारत में स्थापित किया है वहीं कारीगरों तथा शिल्पकारों की स्वदेशी विरासत के संवर्धन की दिशा में सरकार काम कर रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के सपने को पूरा करने हेतु हम सभी भारतवासियों को भी भारत को मजबूत व आत्मनिर्भर करने के लिए वोकल फोर लोकल पर जोर देकर छोटे शिल्पकारों से सामान क्रय करने का संकल्प लेना होगा। देवेंद्र भार्गव ने कहा महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन को सत्य, अहिंसा और सादगी जैसे आदर्शों पर आधारित किया। उनके त्याग, दृढ़ता और नैतिक नेतृत्व ने पूरे विश्व को प्रेरित किया। सुनिल सराठे ने जनता से अपील की कि वे गांधीजी के सत्य, अहिंसा, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव को अपने जीवन में अपनाएं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सके। इस अवसर पर सुनिल सराठे,भगवानदास ढालिया, राजा शर्मा, संदीप कल्याणे, महेश मालवीय, राजकुमारी डागोर, जीवनलाल घोसरे, गोरधन अहिरवार, संजय सेन, गजराज, चंदू यादव सहित युवा साथी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर बापू-शास्त्री जयंती : संतनगर में निकली स्वच्छता, स्कूलों में हुए कार्यक्रम

जागरूकता रैली, स्वच्छ भारत का संकल्प लिया

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के साधु वासवानी स्कूल के बच्चों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। संस्कार विद्यालय में स्वच्छता की शपथ ली गई। साधु वासवानी स्कूल में महात्मा गांधी-शास्त्री जयंती मनाई गई। विद्यालय परिसर से बच्चों ने स्वच्छता रैली निकालकर लोगों से स्वच्छता को आदत बनाने की अपील की। जय जवान, जय किसान के नारे लगाए। रैली के बाद विद्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने युवा पीढ़ी से गांधी व शास्त्रीजी के पदचिन्हों पर चलकर जीवन सफल बनाने का आव्हान किया। सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, संस्कार विद्यालय के सचिव बंसत चेलानी और कोषाध्यक्ष चन्द्र नागदेव ने

अपने विचार रखते हुए कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य और अहिंसा पर आधारित था, गांधीजी अहिंसा के पूजारी थे हम गांधी जी के वचनों पर चलें और उनके कार्यों को आगे ले जाएं। विद्यार्थियों ने कविता, विचार व्यक्त कर अपने भाव प्रकट किए।

बापू-शास्त्री दो फूल: संस्कार विद्यालय में गांधी एवं शास्त्री जयंतीजी की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, कांग्रेसी नेता गुरूमुखदास खानचन्दानी, कर्नल नारायण पारवानी, समाजसेवी सुरेश जसवानी, महानगर बैंक के सी.ई.ओ. प्रकाश आसुदानी, विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा ने महापुरूषद्वय पर विचार रखे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर स्वच्छता की शपथ ली। अतिथियों ने कहा कि आज के दिन दो फूल खिले थे जिनसे हिन्दुस्तान महक उठा था एक थे महात्मा गाँधी और दूसरे लाल बहादुर शास्त्री दोनों की अपनी एक अलग-अलग भूमिकाएं रहीं।

गलती सुधरवाना दूर, अब नाकेदारों से वसूली की तैयारी

प्रदेश भर के नाकेदारों में आक्रोश वन मंत्री का बंगला घेरने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। वन विभाग के अफसरों की गलती जनप्रतिनिधियों पर कई बार भारी पड़ जाती है और जवाब देना पड़ता है। ऐसे ही हाल चुनाव की तैयारियों में जुटे वन मंत्री रामनिवास रावत के साथ बन सकती है। असल में विभाग के अधिकारियों ने नाकेदारों के वेतन में विसंगति को ठीक कराना दूर, उनके वेतन को कम कराने जैसी गलतियां की। अब बात वसूली तक आ गई है। वन विभाग के सामान्य प्रशासन विभाग–2 की पीसीसीएफ कमलिका मोहंता ने सभी सीसीएफ, सीएफ व डीएफओ को एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा है कि उनके कार्यक्षेत्र में काम करने वाले उन नाकेदारों का विवरण भेजे, जिन्हें वेतनमान 5680 व ग्रेड–पे 1900 का लाभ मिला।

मप्र वन एवं वन्यप्राणी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामयश मौर्य का कहना है कि जिस वेतनमान व ग्रेड–पे की जानकारी मंगवाई जा रही है वह तो नाकेदारों का हक था, जो कि पहले ही देना था लेकिन वन मुख्यालय के अधिकारियों की हठधर्मिता के कारण प्रदेश के 11000 में से करीब 6 हजार को ही इसका लाभ मिला। बाकी को इसका लाभ नहीं दिया गया। अब जिन्हें लाभ दिया गया, उन्हें भी उक्त लाभ देने से रोक दिया था। उलटे वसूली के लिए क्षेत्र के अधिकारियों से जानकारी मंगवाई जा रही है जो कि गलत है। इसकी वजह से पूरे प्रदेश में नाकेदार नाराज है।

ऐसे उपजी नाराजगी

- वित्त विभाग ने वन विभाग समेत सभी विभागों को वर्ष 2009 में वेतन में सुधार करने के लिए भर्ती व वेतन नियमों में संशोधन के लिए लिखा था। अधिकारियों को वर्ष 2014 तक यह सुधार ही नहीं किया। जिसके कारण प्रदेश के आधे नाकेदारों को तो वेतनमान 5680 व ग्रेड–पे 1900 का लाभ मिला लेकिन ज्यादातर को यह लाभ नहीं मिला।
- इस बात से वे नाकेदारा नाराज हो गए, जिन्हें यह लाभ नहीं मिला। इन नाकेदारों ने विभिन्न संगठनों के माध्यम से सरकार के संज्ञान में यह बात लाई कि उन्हें लाभ नहीं मिल रहा है, यह भेदभाव है जबकि आधे नाकेदारों को लाभ मिल रहा है। चूंकि सुधार वर्ष 2009 में ही कराना था, अब वित्त विभाग व शासन भी पुराने समय के सुधार को वर्तमान में मंजूर करने के लिए तैयार नहीं है इसलिए वन विभाग के अधिकारी चुप्पी साधकर बैठ गए।
- हाल ही में वित्त विभाग ने कहा कि अब तक वेतनमान व भर्ती नियमों में सुधार नहीं हुआ, इसलिए वेतन में जो अंतर है उसे देखते हुए पूर्व के नियमों के अनुसार भुगतान किया जाए। वित्त विभाग के इस आदेश के मिलते ही वन विभाग ने नाकेदारों का वेतन 5460 व ग्रेड–पे 1800 कर दिया, जो कि पूर्व से प्रदेश के आधे से अधिक नाकेदारों को मिल रहा है।
- अब प्रदेश के सभी 11000 से अधिक नाकेदारा नाराज हैं, उनका कहना है कि जो वेतन बढ़ना था वह तो बढ़ा नहीं, उलटा कम हो गया। अब वसूली की भी तैयारी है। नाकेदार संगठन के नीलम सिंह ठाकुर व आरपी वर्मा ने भी विकास की इस अनदेखी पर आपत्ति जताई और हाईकोर्ट की शरण लेने की बात कही है।

ड्रोन पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार, अब कैबिनेट मंजूरी का इंतजार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अब मध्यप्रदेश सरकार विधिवत ड्रोन पॉलिसी लाकर इस क्षेत्र में आगे बढने की कोशिश में है। इसलिये ड्रोन पालिसी का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए पेश किया जा सकता है। सरकार ड्रोन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने और शासन के मैदानी क्षेत्रों के काम - काज में इस्तेमाल करने के मूड में है। अभी खनिज, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास और गृह विभाग में ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग जारी है। मसलन गृह विभाग में कानून व्यवस्था के लिहाज से ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग हो रहा है। वन विभाग ने भी पायलट के रूप में ड्रोन का उपयोग किया है।अब केन बेतवा लिंक परियोजना के मैदानी इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कराने के लिए ड्रोन टेक्नोलॉजी का सहारा लिए जाने की कवायद चल रही है। एमपी पोस्ट के अनुसार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उपक्रम एमपीएसईडीसी ने सेवा प्रेदाता संस्थाओं से एक आरएफपी के जरिए दरें आमंत्रित करने के बाद एक लंबी प्रक्रिया के तहत पैनल बनाया है व सेवा प्रेदाताओं को मध्यप्रदेश सरकार के संभावना वाले उन क्षेत्रों की जानकारी साझा की है जिन क्षेत्रों में ड्रोन का इस्तेमाल हो सकता है । जैसे नगरीय प्रशासन के स्मार्ट सिटी, रेरा, राजस्व ,पीडब्लूडी, एमपीआरडीसी ,एमपीआरआरडीए ,माइनिंग ,जल संसाधन, उद्योग,पुलिस, होमगॉर्ड, एसडीआरएफ, पॉवर, वन, आर्केलॉजी, गति शक्ति, पर्यटन, वीडियो ग्राफी सर्विलांस अनाउंसमेंट और जिला प्रशासन प्रारंभिक रूप में शामिल हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही मध्यप्रदेश की ड्रोन पॉलिसी आमजन के लिए आ जाएगी।

अभी 4 विभाग में कर रहे ड्रोन उपयोग, 5 क्षेत्रों में सेवा देने की तैयारी

गोंड रानी दुर्गावती को समर्पित होगी अगली कैबिनेट, कई प्रस्तावों को मिलेगी मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अगली कैबिनेट बैठक 5 अक्टूबर को दमोह के सिंग्रामपुर में होगी। यह कई मायनों में खास होगी क्योंकि इसी दिन गोंड रानी दुर्गावती की जन्म जयंती है। उनकी राजधानी सिंग्रामपुर थी इसलिए वहां कोई सरकार पहली बार कैबिनेट करने जा रही है। कैबिनेट में आदिवासी जनजाति और खासकर सिंग्रामपुर के विकास को लेकर कई प्रस्तावों को मंजूरी दी जा सकती है। सरकार का पहले से फोकस आदिवासियों पर रहा है इसलिए आदिवासियों के विकास पुरुषों, नायकों को सरकार केंद्र बिंदू में रखकर काम कर रही है। रानी दुर्गावती ने तो पूरे समाज के लिए अपने क्षेत्र की रक्षा की थी। सरकार का लक्ष्य उनके गौरव को बढ़ाने का है इसकी मंशा से उनकी राजधानी रही सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक करना तय की है। उक्त कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विकास के लिए तो अहम निर्णय लिए ही जाएंगे, साथ ही आदिवासियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में भी बड़े निर्णयों को मंजूरी मिल सकती है। उल्लेखनीय है कि इसी दिन दमोह में मंचीय कार्यक्रम भी प्रस्तावित है, जिनमें सरकार के लगभग सभी कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी रहेंगे। इसी दिन प्रदेश की लाड़ली बहनाओं को हर महीने दी जाने वाली किश्त की राशि भी उनके खाते में ट्रांसफर की जाएंगी। पिछले वर्ष रानी दुर्गावती की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जबलपुर आए थे, उन्होंने एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित किया था। मोहन सरकार भी रानी दुर्गावती की जयंती को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां कर रही है।

अतिथि शिक्षक नहीं पहुंचे स्कूल, राजधानी के बाद जिलों में प्रदर्शन शुरू, जाएंगे दिल्ली

आंबेडकर पार्क में जुटे थे अतिथि, देर रात पुलिस ने बलपूर्वक हटाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नियमितिकरण सहित पांच सूत्रीय मांगों के पूरा नहीं होने और स्कूल शिक्षा मंत्री के बयान से नाराज राजधानी में जुटे शिक्षकों को बुधवार देर रात पुलिस ने खदेड़ दिया और धरना-प्रदर्शन खत्म कराया। अतिथि शिक्षक आंबेडकर पार्क में प्रदर्शन कर रहे थे और मुख्यमंत्री से मिलने की मांग पर अड़े थे। अतिथि शिक्षक सीएम हाउस तक न्याय यात्रा निकालते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष अपनी मांगें रखना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने कुछ दूरी पर बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान अतिथि शिक्षकों ने स्कूल शिक्षा मंत्री के बयान पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कब्जा करने आए हैं, कब्जा करके जाएंगे। सुबह से शुरू हुआ अतिथि शिक्षकों का प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। जिसके बाद पुलिस ने बलपूर्वक प्रदर्शन खत्म कराया। अतिथि शिक्षकों ने पुलिस पर लाठीचार्ज करने के आरोप लगाए हैं और कई अतिथि शिक्षकों के घायल होने की बात कही है। इधर अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया गुरूवार को अतिथि शिक्षक जिलों में प्रदर्शन करेंगे और स्कूल पढ़ाने नहीं जाएंगे। वहीं आगे की रणनीति बताते हुए परिहार ने कहा कि जल्द ही अतिथि शिक्षक दिल्ली की तरफ कूच रहेंगे और वहां प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र सरकार तक अपनी मांगे पहुंचाएंगे।

पहले कारगर गोली चलाने चेतावनी, फिर हटाया बैनर

इस दौरान पुलिस ने एक बैनर भी यहां लगा दिया, जिसमें स्पष्ट लिखा हुआ था कि बलवाइयों आपका मजमा गैरकानूनी करार दिया गया है, तितर-बितर हो जाईये। कारगर गोली चलाई जायेगी। हालांकि कुछ देर बाद ही इस बैनर को हटा दिया गया। इस प्रकार के बैनर लगाने का विरोध करते हुए अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया कि अतिथि शिक्षक अपनी मांगो को पूरा कराए बिना नहीं हटेंगे। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला अतिथि शिक्षक भी शामिल हुई हैं। इस दौरान कई अतिथि शिक्षक बेहोंश भी हुए। आगे बढ़ने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। अतिथि शिक्षकों के प्रदर्शन में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी पहुंचे।

कांग्रेस नेताओं ने गाए भजन, वीडी ने किया नमन

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने उनका पुण्य स्मरण कर उनके बताये गये सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पुरानी विधानसभा मिंटो हाल परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया। पटवारी सहित कांग्रेसजनों ने वहां पर बैठकर महात्मा गांधी के रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन तो तेने कहिये, गाया। वहीं भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पन्ना जिले के शाहनगर में सेवा बस्ती में सदस्यता, स्व-सहायता महिला समूह से संवाद एवं पवई में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकार द्वारा बेटियों को बचाने और पढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छता का जो सपना देखा था, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया। कांग्रेस केवल झूठ, छल-कपट की राजनीति करके सामाजिक वैमनस्यता फैलाने का कार्य करती है।

रियल टाइम प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग होगी

भोपाल. मप्र सड़क विकास निगम प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करने रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम से काम करेगा। अभी पीपीपी मोड के तहत तैयार हो रहे प्रोजेक्ट में इसका उपयोग होगा। साथ ही डिस्ट्रीक्ट रोड भाग दो के तहत तैयार कराई जा रही सड़कों को इसमें शामिल किया है।

मेट्रो एंकर आवेदन शुरू, अंतिम तिथि 24 अक्टूबर निर्धारित, न्यूनतम 35, अधिकतम आयु 65 वर्ष

किशोर न्याय बोर्ड व बाल कल्याण समितियों में होगी अध्यक्ष-सदस्यों की नियुक्ति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के प्रत्येक जिले में किशोर न्याय बोर्ड और कल्याण समितियों में रिक्त पदों को भरने के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। किशोर न्याय बोर्ड में सदस्यों के 2 पद की पूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसमें एक पद महिला के लिए आरक्षित है। इसी तरह प्रत्येक जिले में देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के प्रकरणों के निराकरण के लिए बाल कल्याण समिति का गठन किया गया है। समिति के लिए 5 सदस्यीय है जिसमें एक अध्यक्ष और चार सदस्य होंगे के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अशासकीय व्यक्ति की न्यूनतम आयु 35 वर्ष और अधिकतम आयु 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

यह होंगे पात्र

इसके लिए ऐसे व्यक्ति पात्र होंगे जिनके पास शिक्षा स्वास्थ्य कल्याण कार्य कलापों में बालकों के साथ कार्य करने का कम से कम 7 वर्षों का अनुभव हो अथवा जो बाल मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा, समाज विज्ञान या विधि क्षेत्र में डिग्री प्राप्त व्यवसायरत व्यक्ति हो अथवा विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा में डिग्री प्राप्त हो। समिति के अध्यक्ष सदस्यों का कार्यकाल नियुक्ति की तारीख़ से तीन वर्ष से अधिक नहीं होगा। समिति का अध्यक्ष सदस्य अधिकतम दो कार्यकाल तक नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

ऐसे कर सकेंगे आवेदन

महिला बाल विकास विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध निर्धारित आवेदन प्रपत्र में ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। यदि आवेदक एक से अधिक जिले के लिये आवेदन करता है तो उसके लिए पृथक-पृथक आवेदन किया जाना अनिवार्य होगा। यदि आवेदक द्वारा एक ही आवेदन फॉर्म में पृथक-पृथक जिले के लिए आवेदन किया जाता है तो आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। ई-मेल से प्राप्त आवेदन मान्य नहीं किए जाएँगे। आवेदन 24 अक्टूबर 2024 तक आयुक्त महिला बाल विकास संचालनालय, विजयाराजे वात्सल्य भवन, अरेरा हिल्स में कार्यालय समय में जमा अथवा कोरियर, स्पीड पोस्ट से प्रेषित किए जा सकते हैं।

संपादकीय

बारिश के पानी के खतरे

अब जबकि मानसून का विदाई का वक्त करीब है और कई राज्यों से यह लौटने भी लगा है, तब बिहार में मची बाढ की तबाही से सभी विचलित हैं। दरअल हर बार ही नेपाल में भारी बरसात का बिहार पर भी व्यापक असर पड़ता है और यह आशंका इस बार भी गहरा रही थी। अब नेपाल में बांधों से बड़े पैमाने पर पानी छोड़े जाने के बाद बिहार में जैसी तबाही मची है, उससे गहरी चिंता पैदा हो गई है। बिहार के करीब दो दर्जन जिलों की नदियों में उफान आ गया है और अब बाढ़ का पानी जितने बड़े दायरे में फैल गया है, उसे देखते हुए राज्य में अतीत में आई बाढ़ की त्रासद स्मृतियां ताजा हो गई हैं। गौरतलब है कि नेपाल में इस बार की बरसात का दबाव इतना ज्यादा है कि वहां कोसी बांध के कई दरवाजे खोलने की नौबत आ गई। हालत यह है कि बिहार में कई नदियों के तटबंध टूट गए और अब उन्नीस जिलों में बाढ़ का पानी का फैल चुका है, सैकड़ों गांवों में पानी भर गया है और दस लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इससे पहले 2008 में समूचे कोसी क्षेत्र में भयावह बाढ़ आई थी, जिससे हुई व्यापक तबाही को इस बार याद किया जा रहा है, लेकिन बताया जा रहा है कि 1967 के बाद कोसी में और 2003 के बाद गंडक नदी में इतना पानी पहली बार आया है। विडंबना यह है कि जब भी नेपाल में बारिश और बाढ़ अधिक होती है, तो इसकी मार अनिवार्य रूप से बिहार पर पड़ती है। अगर बांधों के दरवाजे न खोले जाएं, तो बांध के ही टूटने का खतरा बढ़ जाएगा, जिसके बाद की तबाही की कल्पना भी डरा देती है। करीब सात दशक पहले भारत और नेपाल के बीच बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए कोसी नदी परियोजना की शुरुआत की गई, मगर अब भी यह त्रासदी कायम है। बरसात के मौसम में उफन कर जानमाल को व्यापक नुकसान पहुंचाने वाली नदियों को तटबंध बना कर नियंत्रित करने की कोशिश की गई, लेकिन बाढ़ के पानी के दबाव में जब ये तटबंध टूटते हैं, तब कई बार सामने पड़ने वाली समूची बस्तियां बह जाती हैं। सवाल है कि कई दशकों से कायम इस समस्या के समाधान के लिए सरकारों की ओर से कब कोई ऐसी योजना सामने आएगी, जिससे इतने बड़े इलाके में थोड़ी राहत महसूस की जा सके। जहां तक बिहार की बात है तो इस राज्य में वैसे भी कई मामले मे पिछडापन है और बाढ जैसी त्रासदी जबर्दस्त आर्थिक नुकसान पहुंचाती है। इससे खेत खलिहान और घर दुकान सभी बर्बाद होते हैं। जाहिर है किइससे लंबे समय तक पुनर्निमाण का दौर चलाना पडता है और विकास पर ब्रेक लग जाते हैं। हालंकि बिहार के अलावा भी कई राज्य ऐसे हैं जहां हर बार ज्यादा बारिश से ऐसे नुकसान होते हैं कहीं नदिया उफनती हैं तो कहीं तटबंध टूटते हैं या फिर शहरों में पानी की निकासी की सही व्यवस्था नहीं होने से भारी तबाही होती है। प्राकृतिक रूप से तो आने वाली बरसात पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता लेकिन इसके पानी की बेहतर निकासी समेत कई व्यवस्था की जा सकती हैं। इससे काफी हद तक नुकसान कम किया जा सकता है। यह बेहतर नगर व ग्राम नियोजन का विषय है और इस पर ध्यान दिया ही जाना चाहिये।

सियासी फायदे के लिए अपराधियों को संरक्षण

■ विश्वनाथ सचदेव

गुरमीत राम रहीम कल तक बाबा राम रहीम के नाम से जाने जाते थे। आज बहुत से लोग उसे सजायाफ्ता अपराधी के रूप में ही पहचानना ज्यादा पसंद करते हैं। पर पंजाब और हरियाणा में आज भी बाबा राम रहीम को दैवीय शक्तियों वाले व्यक्तित्व के रूप में मानने वालों की संख्या कम नहीं है। और यही बात अपने कृत्यों के लिए आजीवन सज़ा भुगत रहे राम-रहीम को इन दोनों राज्यों की चुनावी राजनीति का ताकतवर मोहरा बनाये हुए है। जब तक बाबा को सज़ा नहीं मिली थी, चुनावी राजनीति के नफे-नुकसान के लिए राजनीतिक दलों के नेता खुलेआम उससे 'आशीर्वाद' प्राप्त किया करते थे। अब खुलेआम ऐसा करने से भले ही राजनेता बच रहे हों, पर बाबा के अनुयायियों की लाखों की संख्या देखते हुए वह इस 'प्रभाव' का लाभ उठाने से नहीं चूकते। शायद इसीलिए जब भी चुनाव आते हैं बीस साल की सज़ा भुगतने वाला यह बाबा राजनेताओं के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है। हर ऐसे मौके पर बाबा किसी न किसी तरह जेल से बाहर आ जाता है। 'पैरोल' और 'फरलो' पर बाबा के छूटने की कहानी अपने आप में हैरान करने वाली है।

लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था। फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया। पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे। बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया। फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे। इससे ठीक पहले, बाबा को 30 दिन के पैरोल पर रिहाई मिल गयी। फिर 15 अक्तूबर, 2022 को आदमपुर में उपचुनाव से पहले बाबा को चालीस दिन का पैरोल मिला था। इस तरह साल 2022 में राम रहीम 91 दिन जेल से बाहर रहा।

साल 2023 में हरियाणा के पंचायत चुनाव से पहले बाबा को 21 जून को चालीस दिन के पैरोल पर छोड़ा गया। नवंबर 2023 में राजस्थान में चुनाव थे। तब भी बाबा 21 दिन जेल से बाहर था। अखबारों में छपे आंकड़ों के अनुसार, 2023 में राम रहीम कुल 91 दिन तक जेल से बाहर था। अब, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, बाबा ने फिर पैरोल पर छूटने के लिए अर्जी दे दी, और वह मंजूर भी हो गयी है! ज्ञातव्य है कि बाबा अपनी दो शिष्याओं से दुराचार और एक पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के अपराध की सज़ा भुगत रहा है। हैरानी की बात यह है कि हर चुनाव के मौके पर यह दागी जेल से बाहर होता है! यह सही है कि अब ऐसे मौकों पर राम रहीम चुनावी सभाएं नहीं करता, पर सब जानते हैं कि हरियाणा और आसपास के राज्यों में बाबा का प्रभाव रंग दिखाने वाला है। यही रंग राजनेताओं को ऐसे अपराधियों की मदद लेने के लिए ललचाता है।

सही यह भी है कि पैरोल या फरलो पर छूटना किसी भी कैदी का अधिकार है और घोषित रूप से यह अधिकार कोई सरकार नहीं, जेल प्रशासन प्रदान करता है। लेकिन सब जानते हैं कि संबंधित राज्य सरकारों की मर्जी पर ही यह छूट मिलती हैड्ड और सब यह भी जानते हैं कि जिस पार्टी की सरकार होती है वह अपने राजनीतिक लाभ -हानि के अनुसार ऐसे मामलों का उपयोग करती है। पैरोल के इस ताज़ा मामले में, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, राज्य

सरकार ने संबंधित अपराधी की पैरोल पर रिहाई के लिए राज्य के चुनावी अधिकारी से आग्रह किया है कि बाबा को यह छूट दी जाये। सवाल यह उठता है कि चुनावी मौके पर बाबा जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकलने का मौका क्यों मिलता या दिया जाता है? क्या यह मात्र संयोग है कि अक्सर ऐसी छूट चुनाव के आसपास मिलती है? पैरोल पर जेल से बाहर आना किसी भी कैदी का अधिकार है और यह छूट देने का अधिकार जेल-प्रशासन को होता है, पर इस बात को नज़रअंदाज क्यों किया जाता है कि बाबा जैसे कैदी मतदान को प्रभावित कर सकते हैं और इसका लाभ उस वक्त की सरकार को मिल सकता है? अक्सर मिलता भी है।

नियम यह कहते हैं कि 'अत्यंत आवश्यक' हो तभी कोई राज्य सरकार किसी कैदी को पैरोल पर रिहाई की सिफारिश कर सकती है। अंतिम निर्णय जेल प्रशासन के हाथ में होता है। संबंधित सरकारें यही तर्क देकर अपना बचाव करती हैं, पर कौन नहीं जानता कि इस नियम और परंपरा का अक्सर उल्लंघन होता है। यह समझना ज़रूरी है कि अक्सर यह उल्लंघन वक्त की सरकारें अपने राजनीतिक स्वार्थ को देखकर करती हैं। हमारे यहां अपराध जगत से राजनीति के रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं। किसी अपराधी का पैरोल पर छूटना ऐसे ही रिश्तों का एक उदाहरण है। राम रहीम बीस साल की सजा भुगत रहा है और इस दौरान दस बार पैरोल पर बाहर आ चुका है। अब फिर हरियाणा के मतदान से ठीक पहले उसे पैरोल पर छूटने का मौका दे दिया गया है! क्षेत्र की जनता पर बाबा राम रहीम के 'डेरा सच्चा सौदा' का प्रभाव सब देखते रहे हैं। अपने अनुयायियों पर बाबा के प्रभाव का लाभ राजनेता अक्सर उठाते रहे हैं। ज्ञातव्य है कि शुरुआत में राम रहीम ने कांग्रेस पार्टी का साथ दिया था। फिर बाबा भारतीय जनता पार्टी के साथ हो गया। इसी साथ को रेखांकित करने के लिए हरियाणा के पिछले मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ बाबा का आशीर्वाद लेने उसके आश्रम में पहुंचे थे। तब राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे खट्टर का आभार प्रदर्शन कहा था!

सवाल यह है कि हमारे राजनेताओं को आपराधिक तत्वों के साथ जुड़ने, उनका आभार मानने में संकोच क्यों नहीं होता? बात सिर्फ एक अपराधी धार्मिक गुरु तक ही सीमित नहीं है। बात किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ उठाने की है। बिलकिस बानो के मामले में हम देख चुके हैं कि कैसे बलात्कार और हत्या के दोषियों को जेल से रिहा किया गया था और कैसे मालाएं पहना कर उन्हें महिमा-मंडित किया गया था। देश की विभिन्न जेलों में कई अपराधी राजनीतिक संरक्षण का लाभ उठा रहे हैं। सरकारें, चाहे वे किसी भी दल की क्यों न हों, अक्सर अपने राजनीतिक लाभ के लिए आपराधिक तत्वों की 'शरण' में पहुंच जाती हैं, निस्संकोच! और सज़ा भुगत रहे अपराधी भी शर्म से सर झुका कर चलने की आवश्यकता महसूस नहीं करते। अपराधियों को तो शर्म आनी ही चाहिए, उन्हें भी शर्म आनी चाहिए जो इन अपराधियों के अपराध की अनदेखी कर रहे हैं। इस संदर्भ में, कहीं न कहीं, देश का वह नागरिक जो आपराधिक तत्वों का समर्थन करता है, भी दोषी है। बात ऐसे तत्वों का समर्थन करने की ही नहीं है, विरोध न करने की भी है। अपराध करना तो पाप है ही, अपराधी को सहना भी किसी पाप से कम नहीं। यह सवाल तो हमें अपने आप से पूछना ही होगा कि न्यायालय द्वारा घोषित अपराधी को भी हम अपराधी क्यों नहीं मानते? **– साभार:यह लेखक के विचार हैं।**

आज का इतिहास

- 1657 फ्रांसीसी सैनिकों ने मैड्रिड पर कब्जा किया।
- 1712 मॉन्ट्रो के राजकुमार रोब ने रॉय मैकग्रेगर की गिरफ्तारी के लिए एक वारंट जारी किया।
- 1735 फ्रांस और सम्राट करेल छठे ने शांति समझौता
- 1783 पहला वाटरफोर्ड क्रिस्टल ग्लास बनाने वाला व्यवसाय वाटरफोर्ड, आयरलैंड में शुरू हुआ।
- 1835 स्टैडटलेर कंपनी (पेंसिल निर्माता) को जे. एस. एस. स्टैडटलेर द्वारा नूर्नबर्ग, जर्मनी में स्थापित किया गया।
- 1863 अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अमेरिका में थैंक्स गिविंग डे मनाए जाने की घोषणा की।
- 1901 मोटर साइकिल रेसिंग की शुरुआत जापान में हुई।
- 1915 नेवादा के प्लेजेंट वैली में 7.8 रिक्टर पैमाने का भूकंप आया।
- 1918 प्रथम विश्व युद्ध - मित्र देशों की शक्तियों के लिए अपने सशस्त्र बलों की हार के बाद, बुल्गारियाई ज़ार फ़र्डिनेंड प्रथम ने अपने तृतीय बोरिस तृतीय के पक्ष में त्याग दिया।
- 1921 फसलों की विफलता के कारण रूस सबसे खराब अकालों में से एक का सामना कर रहा है। इसने शरणार्थियों को यात्रा करने और सर्दियों में पूरी तरह से सेट करने से पहले भोजन खोजने की कोशिश की है।
- 1932 इराक, ग्रेट ब्रिटेन से पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त करने वाला एक संप्रभु राज्य बन गया।
- 1932 इराक को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता हासिल हुई।
- 1935 जनरल एमिलियो डी बोनो के नेतृत्व में इतालवी बलों ने द्वितीय इटालो-एबिसिनियन युद्ध के शुरुआती चरणों के दौरान एबिसिनिया पर आक्रमण किया।

आखिर 75 साल पर क्यों मचा है बवाल?

■ पूनम पाण्डे

चुनाव के सीजन में राजनीतिक दलों के नेता एक-दूसरे पर हमले भी तेज कर देते हैं। अगले साल दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने तो हैं इसकी भी अपनी रस्साकशी चल रही है। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। जहां लोकसभा चुनाव के वक्त वह बीजेपी से सवाल पूछ रहे थे, वहीं अब बीजेपी के वैचारिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सवाल पूछ रहे हैं। वह पूछ रहे हैं कि क्या पीएम मोदी 75 साल में रिटायर होंगे? प्रधानमंत्री मोदी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे।लोकसभा चुनाव के वक्त भी जब अरविंद केजरीवाल ने यह सवाल पूछा था तो उसका जवाब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दिया था। उन्होंने 11 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, '75 साल में रिटायरमेंट का बीजेपी के संविधान में कोई जिक्र नहीं है।' शाह ने कहा कि 'मोदीजी 75 साल के हो जाएं, इससे आपको आनंदित होने की जरूरत नहीं है। ये बीजेपी के संविधान में कहीं नहीं लिखा है। मोदीजी ये टर्म पूरी करेंगे। मोदीजी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे। बीजेपी में कोई कन्फ्यूजन नहीं है।' केजरीवाल ने पूछा था कि मोदी अगले साल 75 साल के हो जाएंगे, क्या बीजेपी उन्हें लालकृष्ण आडवाणी की तरह रिटायर करेगी?

मार्गदर्शक मंडल: सवाल यह है कि जब बीजेपी के संविधान में इसका कोई जिक्र नहीं है तो यह बात बार-

बार क्यों आती है कि 75 साल का होने के बाद मोदी मार्गदर्शक मंडल में चले जाएंगे? दरअसल, जब अमित शाह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे तब 26 अगस्त 2014 को पार्टी की ओर से एक प्रेस रिलीज जारी की गई थी। उसमें कहा गया था कि ' बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने पार्टी की गतिविधियों के मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नेताओं की मार्गदर्शक मंडल में नियुक्ति की है'। इस लिस्ट में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी के नाम थे। साथ ही, इस लिस्ट में नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह के नाम भी थे। मार्गदर्शक मंडल को रिटायरमेंट जैसा मानने की शुरुआत तब हुई, जब अमित शाह के अध्यक्ष रहते बीजेपी का नया संसदीय बोर्ड बना तो उसमें अटल बिहारी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी का नाम नहीं था। पार्टी का सबसे ताकतवर निकाय संसदीय बोर्ड ही है। तब पहली बार मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पार्टी के तत्कालीन महासचिव जेपी नड्डा को इसमें जगह दी गई थी।

राजनीति में उम्र: हर चुनाव में इस बात की चर्चा होती रहती है कि बीजेपी 75 साल से ज्यादा उम्र के अपने नेताओं को टिकट नहीं देगी और वहां 75 साल में रिटायर हो जाते हैं। इन चर्चाओं का बीजेपी ने कभी कोई खंडन नहीं किया। पिछले साल कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा को लेकर जब एक न्यूज चैनल के प्रोग्राम में अमित शाह से पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि 'कांग्रेस में रिटायरमेंट का कॉन्सेप्ट ही नहीं है। कांग्रेस की व्याख्या है कि राजनीति में सक्रियता का मतलब है चुनाव लड़ना और सत्ता प्राप्त करना। मेरी पार्टी का ये नहीं है।' यह बात सही हो सकती है कि बीजेपी के संविधान में अभी रिटायरमेंट की उम्र जैसा कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन बीजेपी के संविधान में बदलाव पहले भी किया गया है। नितिन गडकरी 2010 से 2013 तक बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। जब उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था तब उससे पहले सितंबर 2012 में ही पार्टी ने संविधान में संशोधन किया ताकि गडकरी लगातार दूसरे टर्म में भी अध्यक्ष बन सकें। इससे पहले यह नियम था कि कोई लगातार दो टर्म अध्यक्ष नहीं बन सकता। हालांकि भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से गडकरी ने पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। बदले हुए नियम के तहत ही अमित शाह 2014 से 2020 तक राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इस साल भी फरवरी में पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी संविधान के कुछ प्रावधानों में संशोधन किया गया, जिसके मुताबिक पार्टी के फैसले लेने वाली सर्वोच्च इकाई संसदीय बोर्ड को आपात स्थिति में पार्टी अध्यक्ष से संबंधित फैसला लेने की शक्ति दी गई।

संघ का मत : सवाल है कि रिटायरमेंट को लेकर संघ की क्या सोच है। संघ की तरफ से कोई निर्देश तो कभी नहीं दिए गए, लेकिन संघ से जुड़े लोगों के मुताबिक भारतीय जनसंघ के नेता रहे नानाजी देखमुख कहते थे कि राजनेताओं को जिंदगी भर सत्ता में रहने के बजाय एक उम्र के बाद सामाजिक जीवन में काम करना चाहिए और अपने लंबे अनुभव का लाभ सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में देना चाहिए। नानाजी ने खुद इसकी मिसाल भी पेश की। नानाजी ने भारत सरकार में कैबिनेट पद स्वीकार करने से इनकार करके सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया और फिर 1978 में गोंडा ग्रामोदय प्रॉजेक्ट का उद्घाटन किया। नानाजी तब 62 साल के थे। दीनदयाल शोध संस्थान के तहत फिर कई जिलों में इस तरह के प्रॉजेक्ट शुरू हुए। नानाजी ने राजनीति में बड़ा पद छोड़कर समाज में काम करने का उदाहरण पेश किया और इसीलिए दीनदयाल शोध संस्थान ने उन्हें राष्ट्र ऋषि कहा। केसी सुदर्शन जब सरसंघचालक थे तब भी कई बैठकों में इस पर बात हुई थी कि क्या 60 साल में सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया जाना चाहिए। हालांकि इसको कोई नियम नहीं बल्कि नैतिक उपदेश माना गया।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

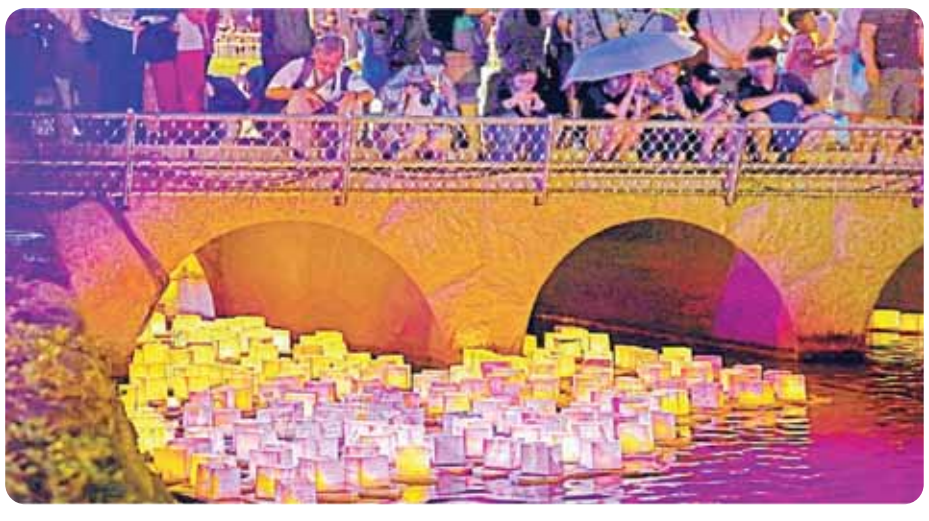

लालटेन से राह रोशन

...ताकि जीवित व दिवंगत आत्माओं के बीच बना रहे सामंजस्य

ताइपे, ताइवान में कीलुंग नदी के किनारे आशीर्वाद समारोह के दौरान लोग पानी में तैरती हुई लालटेन देखते हुए। लोग अपने पूर्वजों का सम्मान करने और शांति और समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए आशीर्वाद समारोह के हिस्से के रूप में कीलुंग घोस्ट फेस्टिवल के दौरान कीलुंग नदी के पानी में लालटेन छोड़ते हैं। लालटेन, जो अक्सर नावों के आकार की होती हैं, भटकती आत्माओं के मार्गदर्शन और उन्हें राहत देने के उद्देश्य से छोड़ी जाती हैं। पारंपरिक बौद्ध और ताओवादी मान्यताओं में निहित है कि 'घोस्ट मंथ' के दौरान, परलोक से आत्माएं पृथ्वी पर घूमने के लिए आती हैं। लालटेन का उद्देश्य इन आत्माओं के लिए रास्ता रोशन करना है और यह सुनिश्चित करना भी कि उन्हें मृत्यु के बाद शांति और आशीर्वाद मिले। साथ ही जीवित लोगों को दुर्भाग्य से बचाना भी लालटेन पानी में छोड़ने का एक उद्देश्य है। यह एक आध्यात्मिक अभ्यास है जिसका उद्देश्य जीवित और दिवंगत लोगों के बीच सामंजस्य बनाए रखना है।

समय से बड़ा गुरु और सब्र से बड़ा निवेश कुछ नहीं होता...!!!
समय और सब्र को दोनों को समय दीजिए फिर कुछ वक्त बाद जीवन में चल रहे तमाशे का आप स्वयं आनंद लीजिएगा..।।

निशाना

छोड़ रहे सब बाण!

वादे और दावे का ।
छोड़ रहे सब बाण ।।
चल रही जो ख़बरें ।
हैं उसका प्रमाण ।।
अपने अपने पाले में ।
है करने का काल ।।
एक दूसरे से शुरू ।
है अभी सवाल ।।
हम ही हैं शुभचिंतक ।
याद है दिलाया ।।
रखना थोड़ा धैर्य ।
है उनका सफाया ।।
चालू है प्रचार ।
है यही निचोड़ ।।
ना जब तक परिणाम ।
हम ही हैं बेजोड़ ।।

- कृष्णेन्द्र राय

सांसद बोले- सभी व्यक्ति अपने घर को साफ रखें

ग्राम रायपुर में अस्पृश्यता निवारण सद्भाव शिविर एवं स्वच्छ भारत दिवस उत्सव शिविर का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सभी लोगो से कहा कि वे संकल्प ले कि वे सभी स्वच्छता एवं ईमानदारी को अपनी आदत बनाएंगें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं आगे आकर आस्वच्छता हटाने का कार्य किया है। भारत को आत्मनिर्भर बनाया है। सांसद चौधरी ने कहा कि सभी व्यक्ति अपने घर को साफ एवं स्वच्छ रखे। ग्राम रायपुर में अस्पृश्यता निवारण सद्भाव शिविर एवं स्वच्छ भारत दिवस उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चौधरी ने ग्राम रायपुर को साफ एवं स्वच्छ रखने एवं कचरा विहीन ग्राम बनाने के लिए एक कचरा वाहन देने की घोषणा की।

सांसद ने कहा कि कचरा वाहन खडी न रहें अपितु सभी व्यक्ति अपने घर का कचरा वाहन में

डालें। नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा ने कहा कि 2अक्टूबर को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री का जन्म हुआ था। गांधी जी का वाक्य है स्वच्छता को अपना स्वभाव बनाएं। रोजमर्रा के जीवन में स्वच्छता लाएं। डा. शर्मा ने कहा कि आज के समय में सभी जाति बराबर है। सभी को संविधान में बराबर का अधिकार मिला हुआ है। उन्होने कहा कि जनता सभी लोगो से बराबरी का व्यवहार करें। लोगो के बीच कोई भेदभाव ना रहें।

रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में अस्पृश्यता उन्मूलन एवं अस्पृश्यता कलंक है विषय पर निबंध प्रतियोगिता की विजेता छात्राओं कुमारी वैश्णवी माछीवाल, कुमारी पूनम चौहान एवं कुमारी उमा कहार को तथा विशेष लेख लिखने पर कुमारी आयशा पासी, दिशा विश्वकर्मा एवं सृष्टि माछीवाल को प्रमाण पत्र एवं नगद पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता कर्मी रजनी कटारिया, ओम प्रताव माहोरिया, शुभम कटारिया, सविता माहोरिया एवं स्वच्छता वॉलेंटियर्स मनमोहन एवं प्रदीप चौहान को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता की नोडल अधिकारी प्रीति वरकडे ने बताया कि स्वच्छता में ग्रामीण में नर्मदापुरम जिले को 5 स्टार मिला था। उन्होने बताया कि जिले के 507 जगह को स्वच्छ बनाया गया है। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी।

जिला अस्पताल में चिकित्सकों एवं स्टॉफ द्वारा की गई साफ-सफाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाड़ा जारी है जिसमें जन प्रतिनिधियों और अधिकारी कर्मचारी द्वारा अपने अपने कार्यक्षेत्र में साफ सफाई कर स्वचछता ही सेवा का संदेश दिया जा रहा है.इस अभियान के तहत महात्मा गांधी की जयंती के शुभ अवसर पर 2 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में चिकित्सकों,पेरामेडिकल एवम अन्य स्टॉफ द्वारा झाड़ू लगाकर साफ सफाई की तथा अस्पताल में आने वाले मरीजों एवम उनके परिजनों को स्वच्छता का संदेश दिया।

गांधी एवं शास्त्री जयंती पर श्रद्धा सुमन किए अर्पित

नर्मदापुरम। स्थानीय नेहरू पार्क में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने उपस्थित होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर के एस राजपूत अरुण दीक्षित लखन रघुवंशी ललित यादव डॉक्टर मयंक तोमर डॉक्टर सुरेंद्रजीत सिंह संजीव शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में अशोक देबोलिया रामेश्वर पटेल के के शर्मा ओ पी तिवारी रमेश गोप्लानी यदुवंशी जी जय बाला निगम प्रदीप द्विवेदी विनोद दुबे हेमंत तिवारी अभिषेक चौहान के साथ अन्य सदस्य उपस्थित हुए. महात्मा गांधी अमर रहे लाल बहादुर शास्त्री जी अमर रहे के साथ संस्था का मिशन गीत इंसान का इंसान से हो भाईचारा यही पैगाम हमारा गाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पत्नी के हत्यारे को आजीवन कारावास चरित्र संदेह के चलते की थी हत्या

सागर। जिले के रहली में पत्नी की हत्या करने वाले कलयुगी पति को द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. शुभ्रा सिंह ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। रहली के समीपस्थ ग्राम पटना बुजुर्ग में करीब डेढ वर्ष पूर्व एक पति ने चरित्र के संदेह के कारण अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इस मामले में आरोपी की पुत्री चश्मदीद गवाह थी। बेटी एवं अन्य की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. शुभ्रा सिंह ने आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

किराए से ट्रैक्टर लेकर बेचने वाले गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश

छिंदवाड़ा। जिले के जुन्नारदेव और लावाघोघरी पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो किराए पर लिए गए ट्रैक्टर और ट्रॉलियों को फर्जी दस्तावेज तैयार करके बेच रहा था। पुलिस ने इस गिरोह के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 13 ट्रैक्टर इंजन और ट्रॉलियां जब्त की है, जिनकी कीमत करीब 70 लाख रुपये है। गिरोह के सदस्य फरियादियों से किराए पर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेते थे और फिर उन्हें अपने पास रखकर किराया नहीं देते थे। इसके बाद वे इन वाहनों के फर्जी दस्तावेज तैयार करके उन्हें अन्य लोगों को बेच देते थे। पुलिस ने इस मामले में गहनता से जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गिरोह ने अब तक कितने वाहन बेचे हैं।

शांति समिति की बैठक में एसडीएम ने कहा, अवैध भंडारण पर सख्त कार्रवाई होगी

हरदा जैसा हादसा दोबारा न हो, अवैध पटाखा भंडारण की मुझे सीधे सूचना दें

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

विश्राम गृह में नवरात्रि, दुर्गा उत्सव सहित अन्य त्योहारों को लेकर बुधवार को शाम शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में एसडीएम टी प्रतीक राव आईएएस ने साफ कहा है कि पटाखा लायसेंसी आबादी क्षेत्र में पटाखों का भंडारण या अवैध भंडारण न करें, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरदा जैसा दर्दनाक हादसा दोबारा न हो इसका ख्याल रखा जाए।

एसडीएम ने कहा कि मेरे फोन नंबर पर चौबीस घंटे में कभी भी अवैध भंडारण की जानकारी आमजन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अवैध भंडारण पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महेन्द्र सिंह चौहान, टीआई गौरव सिंह बुंदेला, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, नर्मदापुरम पत्रकार संघ अध्यक्ष प्रमोद पगारे, समाजसेवी मनीष सिंह ठाकुर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पंकज राठौर, पार्षद शिवकिशोर रावत सहित पुलिस, नपा और बिजली विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शहर का नाम खराब न हो

एसडीएम ने कहा कि इस बार देश और प्रदेश में पिछले दिनों घटनाओं के कारण कमिश्नर, कलेक्टर और उच्च अधिकारियों के सख्त निर्देश मिले हैं कि सीधे कार्रवाई की जाए। अपने शहर में ऐसी घटनाएं न हों, इसका खास ध्यान रखें और अपने शहर का नाम खराब न होने दें। पर्व का हर्षोल्लास तो रहे लेकिनन नशा आदि करके माहौल खराब न होने दें। गणेशोत्सव के दौरान कुछ लोग आईडेंटीफाई हुए हैं, दोबारा ऐसा करते दिखे तो सीधे जेल की कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि गरबा आयोजकों को अपने यहां आने वाली महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी। आयोजन के एंट्री और एक्जिट पाइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगे हों, और पूरे कैंपस और प्रवेश तथा निकास पर पर्याप्त लाइट का इंतजाम रहे। आने वालों का चेहरा स्पष्ट दिखना चाहिए। हमारे पास आपके आयोजन का पास भी जमा करा दें। हमारे अधिकारी-कर्मचारी सादे कपड़ों में भी आयोजन स्थल पर रहेंगे।

नपाध्यक्ष और एसडीओपी ने कहा

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि उत्सव पंडाल के पास सफाई का इंतजाम किया जाएगा, स्ट्रीट लाइट हर खंभों पर चालू रहेगी। विसर्जन कुंड मेहरागांव नदी किनारे ही बनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विसर्जन कुंड में नलकूप का पानी भरा जाता है, समीप की नदी का पानी नहीं। उस कुंड में दो टेंकर नर्मदा जल भी डाला जाता है। यह सोच निकाल दें कि कुंड का पानी गंदा होगा। राष्ट्रीय नर्मदापुरम पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रमोद पगारे ने कहा कि उत्सव समितियां प्रशासन को व्यवस्था बनाने में सहयोग करें।

आयुध निर्माणी में होगा हास्य कवि सम्मेलन

इटारसी। नवरात्रि महोत्सव आयुध निर्माणी के टाइप थ्री के विशाल दुर्गा मंदिर मैदान में आगामी 8 अक्टूबर मंगलवार को हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालक कवि पवन प्रबल ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 8 अक्टूबर मंगलवार को आयुध निर्माणी इटारसी के टाइप थ्री के विशाल दुर्गा मन्दिर मैदान में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस कवि सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय आलसी कवि राजेंद्र मालवीय हास्य व्यंग्य इटारसी, गौरीशंकर धाकड़ वीररस बरेली,कैलाश सोनी सार्थक हास्य व्यंग्य उज्जैन, विनोद अनजान अमरवाड़ा गीतकार,जसबेन्द्र बुंदेला गीत गजलकार इंदौर, गीतकार स्वाति पंखुरी इंदौर ने आयोजन में आने की अनुमति दे दी है। कार्यक्रम संयोजक एवं संचालक पवन प्रबल ने बताया कि बहुत लंबे अरसे के पश्चात भव्य और आकर्षक कवि सम्मेलन हो रहा है उन्होंने सभी नागरिकों से एवं साहित्यकारों से इस आयोजन में शामिल होने का निर्मित किया है।

पुलिस ने पकड़ी 50 पेटी अवैध शराब

छतरपुर। पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत निरंतर कार्रवाई की जा रही है। अवैध मादक पदार्थ विक्रय, संग्रह एवं तस्करी करने वाले आरोपियों से अवैध मादक पदार्थों को जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। थाना ओरछा रोड पुलिस को गश्त के दौरान ग्राम हमा के अमित सिंह चौहान द्वारा अवैध शराब सफेद रंग की कार से तस्करी की सूचना प्राप्त हुई।

नर्मदा कॉलेज में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति चलाया जागरूकता अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक निस्तारण हेतु जागरण अभियान चलाया गया।वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर एस बोहरे के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को सार्वजनिक स्थल पर प्लास्टिक ना फेंकने की शपथ भी दिलाई गई। विद्यार्थियों ने कॉलेज कैंपस से प्लास्टिक और खाद्य सामग्री के छोटे-छोटे पैकेट, आदि उठाकर सफाई की। कचरा एकत्र किया। प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने छात्र-छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणाम बताते हुए कहा कि प्लास्टिक जलाने से उत्पन्न गैस बहुत जहरीली होती है। प्लास्टिक खाने से कई पशुओं की मौत प्रतिदिन हो रही है। अतः पन्नी, पाउच से वातावरण को प्रदूषित होने से बचायें। कार्यक्रम में डॉ केशव मिश्रा, डॉ नीता वर्मा, डॉ मालती पटेल,एस के झा तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति के अनुरूप बने रूपरेखा

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल नगर समिति इटारसी द्वारा मंगलवार को स्थानीय विश्रामगृह में शांति समिति की बैठक में पहुंचकर एसडीएम टी प्रतीक राव एवं थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला को निम्न बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से बताया सनातन संस्कृति के अनुसार ही कार्यक्रम की रूपरेखा बने। ज्ञापन के दौरान विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री चेतन सिंह राजपूत , जिला प्रचार प्रमुख अनूप तिवारी ,जिला विशेष संपर्क प्रमुख अनिल शुक्ला, नगर अध्यक्ष महेश अग्रवाल ,उपाध्यक्ष अनिरुद्ध चांसोरिया , संतोष शर्मा , नगर मंत्री यश शर्मा ,नगर संयोजक बजरंग दल संदीप यदुवंशी एवं हिन्दू समाज के अन्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

सौंपा ज्ञापन

मेट्रो एंकर | ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

गाँधीजी ने सिखाया सफलता के लिए धैर्य रखकर संघर्ष करना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

गाँधी जयंती पर ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय नर्मदापुरम मे कार्यक्रम आयोजित कर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित कियेढ़ इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए संभागीय उपायुक्त जेपी यादव ने कहा की आजादी के संघर्ष मे कई लोगों ने बलिदान और योगदान दिया। अहिंसा, सत्याग्रह और असहयोग के बल पर कई वर्षों के संघर्ष से आजादी मिली।

गाँधी जी ने सिखाया की सफलतायें आसानी से मिलती हैं उसके लिए लम्बा संघर्ष करना होता है और इसके लिए धैर्य जरूरी है। हजारों वर्षों की आजादी आसानी से नहीं मिली। कई लोगों ने अपने अपने

तारीकों से कोशिशें की, लेकिन वे प्रयास बिखरे हुए थे और एक साथ पुरे बल से नहीं लडे गए। गाँधी जी ने देश वासियों को जाति धर्म का भेदभाव भूलकर साथ आने को कहा, गाँधी के आह्वान पर देश एक होकर उनके नेतृत्व मे अंग्रेजों के खिलाफ अहिंसा, सत्याग्रह और असहयोग जैसे पवित्र साधनों से लडे और आजादी पाई। गाँधी की पृष्ठभूमि आर्थिक और सामाजिक रूप से सम्पन्न थे। जब अंग्रेजों ने रंग और नस्ल के आधार पर गाँधी का अपमान किया तो उन्होंने अंग्रेजी सत्ता को उखाड फेंकने का संकल्प लिया और उसके लिए अपनी सारी सुविधाएं त्याग केवल एक धोती मे अपना जीवन बिताया। उन्होंने कहा की जब देश के अधिकांश लोग भूखे और कम कपड़ों मे है तो मै क्यों सुविधाओं के साथ रहूं। उन्होंने देश के सामने उच्च आदर्श प्रस्तुत किया। यादव ने बच्चों को बताया की गाँधी जी दलितों और महिलाओं की दयनीय स्थिति से चिंतित थे। उनके उत्थान के लिए देश और समाज को राह दिखाई। आजादी के बाद सरकारों ने इस पर काम किया इस कारण अब काफी बदलाव दिख रहा है। इन दोनों वर्गों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति मे उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए।

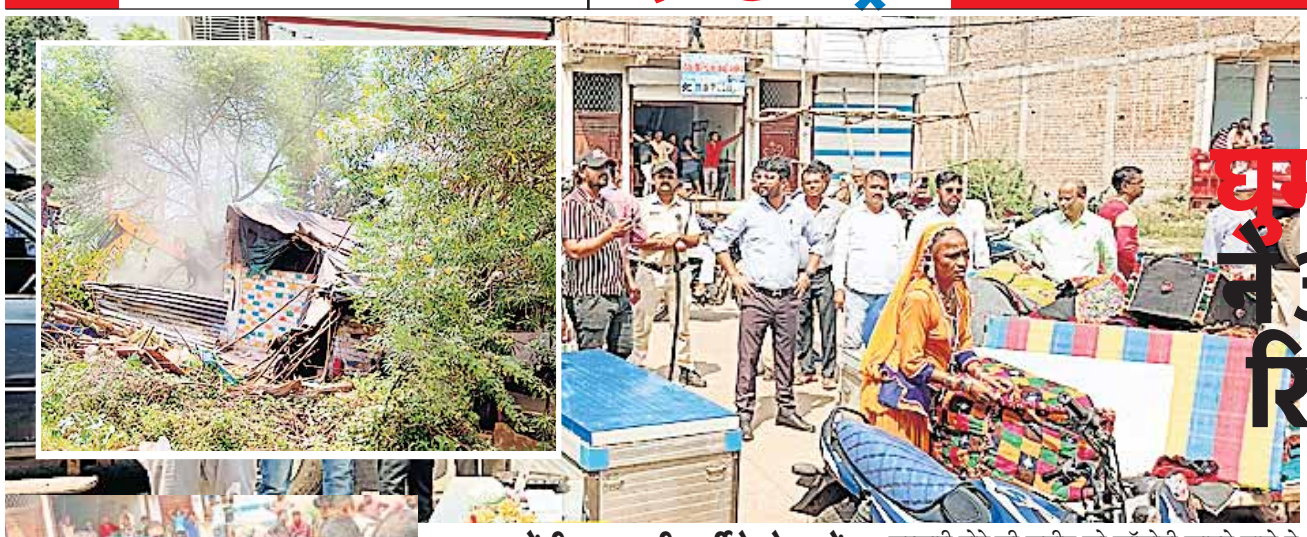

प्रशासन ने वर्दी की नोक पर 50 साल पुराना हटाया अतिक्रमण

घुमंतू जाति के पीड़ित परिवारों ने आरोप लगाया कि प्रशासन सिर्फ गरीबों के घर गिर रहा

सईद खान, सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गांधी जयंती पर प्रशासन ने वर्ष पुराने अतिक्रमण पर बुलडोजर की कार्रवाई करते हुए लगभग 50 साल पुराने अवैध अतिक्रमण को जमींदोज करने का काम कर दिया यह सब वर्दी की नोक पर हुआ। सरकारी जमीन पर पक्के और कच्चे घर बनाकर लोहा पीठ समाज के लगभग 15 परिवारों को एक झटके में प्रशासन ने सड़क पर खड़ा कर दिया । भारी विरोधाभास के बीच प्रशासन ने अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया कई सालों से रहने वाली कमलाबाई ने तो पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को जमकर कोसते हुए खरी-खरी सुनाई इसी दौरान इनकी तबीयत भी बिगड़ गई फिर एसडीओपी उमेश कुमार

पास में ही सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के पक्के अवैध अतिक्रमण पर कोई कार्रवाई नहीं

जमकर हुआ विरोध, कॉलोनाइजर ने बेची सरकारी जमीन, लगाए प्रशासन पर पक्षपात के लगाया आरोप

तिवारी ने कहा कि एंबुलेंस बुलाए फिर एसडीएम हर्षल चौधरी ने अस्पताल से एंबुलेंस बुलाई एंबुलेंस तक कमलाबाई को ले जाने में पुलिस को पसीना आ गया एक महिला को 6 पुलिसकर्मी एंबुलेंस में भी नहीं बैठा पी काफी देर तक हंगामा होता रहा वहीं अन्य लोहा पीठओ ने भी प्रशासन की कार्रवाई का खुला विरोध करते हुए पक्षपात के आरोप लगाते हुए कहा कि हमें समय भी नहीं दिया गया जबकि 4 तारीख लगी हुई थी दूसरी ओर कुछ लोगों ने जबरन उठाकर सड़क पर फेंकने की आरोप लगाते हुए सरकार और अधिकारियों को बुरा भी कहते हुए कहा कि हमें आज तक कुछ नहीं दिया उल्टा जिनको हमने चुनाव जितवाया आज वहां हमें सड़कों पर खड़ा करने का काम कर रहे हैं इनका भी बुरा होगा दूसरी ओर जैसे ही दोपहर के बाद एसडीएम हर्षल चौधरी, तहसीलदार संजय चौरसिया ,एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी थाना प्रभारी संदीप सिंह पवार प्रभारी सीएमओ राम प्रकाश साहू के साथ प्रशासन भारी हथियारों से लैस पुलिस प्रशासन के संयुक्त अमले को लेकर पांच जेसीबी और नगर पालिका की ट्रैक्टर ट्रालियों के साथ अमले के साथ कार्रवाई करने पहुंचा तो सबसे पहले सरकारी गोहे की जमीन को कॉलोनी काटने वाले ने पैसे लेकर बेचने का कारनामा कर दिया इसको इलियास नाम के व्यापारी ने खरीदी और बिल्डिंग भी बना दी थी भक्ति के बाद उनकी बिल्डिंग में अतिक्रमण आया जिसको नोटिस देकर तोड़ दिया गया इस कार्रवाई करने भी विरोध करते हुए कहा कि मेरे पास सभी दस्तावेज है इसके बाद भी मेरी बिल्डिंग को तोड़ दिया प्रशासन ने कहा कि सरकारी जगह पर जितनी बिल्डिंग बनी उसकी तोड़ेंगे फिर यहां पर जेसीबी से तोड़ने का काम विरोध के बीच प्रारंभ हुआ इसके बाद वेयरहाउस कॉरपोरेशन की जगह पर लगभग 50 सालों से लोहा पीठ समाज के लोग रह रहे हैं उनका हटाने के लिए प्रशासन पहुंचा तो यहां पर कड़े विरोध का सामना प्रशासन को करना पड़ा फिर सबसे ज्यादा विरोध कर रही दिन में कमलाबाई को काडी मशक्कत के बाद दो महिला पुलिसकर्मी पकड़ कर रखी हुई थी इसके बाद भी है जहां पर प्रशासन करवाई कर रह था वहां पहुंच गई और जमीन पर गिर गई इनको उठाने में 6 महिला पुलिसकर्मियों को पसीना आ गया और एंबुलेंस तक इनको ले जाने में इनकी हालत खराब हो गई फिर भी एंबुलेंस में को नहीं बिता पाई। कमलाबाई का कहना है कि हम 50 सालों रह रहे हैं अभी 15 परिवार निवास करते हैं। हमारा अतिक्रमण था तो पहले ही हमें क्यों नहीं हटाया अब हमारे लाखों की लागत से बनाए गए सामान और बिल्डिंग को तोड़ दिया हमें कोई सूचना भी नहीं थी बिना सूचना के कार्रवाई की गई है इनके भारी विरोध के बाद भी पुलिस और प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए इनको जबरन घरों से बाहर निकाल कर इनका सामान सड़क पर रख दिया उसके बाद इनके कच्चे पक्के अतिक्रमण को जेसीबी से जमीजोड़ कर दिया इस कार्रवाई का विरोध इन लोगों ने जमकर किया काफी देर तक हंगामा भी होता रहा भारी संख्या में लोग भी यहां जमा हो गए थे। अपना बस बस आशियाना टूटने पर इन लोगों ने खूब खरी खरी अधिकारियों सरकार सुनाते हुए बुरी भली भी बातें कहीं पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने इनकी बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी कार्रवाई का अंजाम देते हुए वर्षों पुराने अतिक्रमण को जमींदोज कर दिया 5 घंटे की कार्रवाई के बाद प्रशासन यहां से अतिक्रमण हटा पाया दूसरी ओर विरोध करने वालों को अतिक्रमण स्थल से हटाने में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को भी हाथ पाव फूल रहे थे। एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी और थाना प्रभारी ने भी हाथो में लाठी और सर पर हेलमेट पहन कर विरोध करने वालों को बाहर करने के लिए कठोर कदम उठाते हुए इस कार्रवाई को अंजाम दिया भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था क्योंकि यहां के अतिक्रमण को हटाने के लिए पहले भी प्रशासन प्रयास कर चुका है पर कोई हटा नहीं पा रहा था इस अतिक्रमण को जरूर हटा दिया गया है । वहीं कुछ लोगों ने पक्षपात के आरोप लगाते हुए कहा कि हमारा तो हटा दिया पर जिन बड़े-बड़े लोगों ने पक्के अतिक्रमण कर रखें उन पर जेसीबी चलाने की हिम्मत प्रशासन नहीं कर पा रहा हम गरीबों को जरूर प्रशासन ने जेसीबी चला कर हमे सड़क पर डाल दिया इससे पहले भी प्रशासन बासौदा नाके पर लोहा पीठ समाज के 30 से 40 परिवारों को इसी तरह बरसात के समय पर हटा चुकी है इस दौरान भी काफी विरोध हुआ था।

अयोध्या बस्ती में किया शिफ्ट -

अतिक्रमण करने के बाद लोह पीठ परिवारों को एसडीएम ने अयोध्या बस्ती में नगर पालिका से टीन सेट में शिफ्ट करवाने का इंतजाम कर दिया इसके बाद यहां से सामान लेकर अभी पहुंच गए हैं। वहीं प्रशासन ने जल्दी ही इन सभी को घर बनाने के लिए पट्टे और प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया है।

सरकारी जमीन को बेचने का कर दिया खेल

नगर में कई कॉलोनी काटने वालों के द्वारा अपने फायदे के लिए सरकारी जमीनों को बेचकर भोले भाले नगर वासियों को चूना लगाने का काम किया जा रहा है। । इस तरह से धोखाधड़ी करने वालों पर क्या प्रशासन के अधिकारियों सरकारी जमीन को बेचने वालों पर अब प्रकरण दर्ज करवाने की कार्रवाई कर पाएंगे या नहीं क्योंकि सरकारी सर्वे नंबर 490 जो कि सरकारी रिकॉर्ड में गोहे के नाम पर दर्ज है।

इनका कहना है -

हम 50 सालों रह रहे हैं अभी 15 परिवार निवास करते हैं। हमारा अतिक्रमण था तो पहले ही हमें क्यों नहीं हटाया अब हमारे लाखों की लागत से बनाए गए सामान और बिल्डिंग को तोड़ दिया हमें कोई सूचना भी नहीं थी बिना सूचना के कार्रवाई की गई है।

कमलाबाई

हमने प्रशासन से एसएलआर से नपती करने की मांग की थी लेकिन प्रशासन ने नहीं कराई, अतिक्रमण तोड़ने से पहले नहीं दिया हमें समय।

इल्यास खान

जहां तक चुने की लाइन डली है वहा तक अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करेंगे।

तहसीलदार संजय चौरसिया

नोटिस जारी करके इनको सूचित भी किया गया उसके बाद में यहां से है हटा नहीं रहे थे। यहां से हटाने के बाद इनको अस्थाई रूप से अयोध्या बस्ती में शिफ्ट कर दिया है। साथ ही सरकारी नंबर की जमीन को बेचने वालों पर भी हम प्रकरण दर्ज करवाने की कार्रवाई करेंगे।

हर्षल चौधरी एसडीएम

महाविद्यालय में मनाई गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री को याद किया

विद्या वन में पौधों की निदाई - गुड़ाई की

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत गांधी जयंती पूर्ण उत्साह के साथ मनाई गई।राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा का आज गरिमामय तरीके से समापन हो गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी महेश चंद्र परमार ने बताया कि एक पखवाड़े तक एनएसएस के स्वयंसेवक,एनसीसी के केडेट एवं अन्य विद्यार्थियों तथा स्टाफ के सहयोग से स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां महाविद्यालय में संचालित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। नवाचार करते हुए दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कार्यालयीन स्टाफ ,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं छात्र तथा छात्राओं से कराया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर सीताराम तिवारी, डॉक्टर आरके वाखला, सीएस मौर्य, डॉक्टर कल्पना पंचोली, डॉक्टर सैयद उरूज अहमद, भगवत सिंह पाल ,संघ प्रिय गौतम,शिवम सेन ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपक सोलंकी, रजनी चौहान, वर्षा पटेल,डॉक्टर वसीम उल्ला खान डॉक्टर नारायण दास साहू, बी एल टांडेकर, वीरेंद्र सेन, शिवचरण पंथी, श्यामलाल बिजोले एवं छात्रों का विशेष सहयोग रहा। स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने विद्या वन में पेड़ पौधों की निदायी गुड़ाई कर श्रमदान किया। महाविद्यालय परिसर की सफाई कर महाविद्यालय को पॉलिथीन मुक्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा गांधी भारत ही नहीं विश्व की अमोल धरोहर है। लाल बहादुर शास्त्री जी की ईमानदारी एवं सादगी की चर्चा सभी वक्ताओं ने की। महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शैक्षणिक के अलावा गैर शैक्षणिक गतिविधियां अत्यंत आवश्यक है। जन भागीदारी समिति विद्यार्थियों के विकास के लिए हमेशा सहयोग करेगी। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्रा रिशिता साहू ने किया। आभार कार्यक्रम अधिकारी महेश चंद्र परमार ने व्यक्त किया।

अवसरवादी ताकतें कितनी भी कोशिश करें, गांधीजी की विचारधारा को कभी नहीं बदला जा सकता : विनोद सेन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हाफिज याकूब बस स्टैंड स्थित गांधी वाचनलय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर प्रतिवर्ष की भति इस भी मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव व केश शिल्पी प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष विनोद सेन के नेतृत्व में गांधी जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर गांधी साहित्य की पुस्तकों भेंट किया और गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डाला हुए कहा की गांधी एक विचारधारा है। की कोई कितनी कोशिश कर खत्म होने वाली है आज देश ही नही पूरा विश्व गांधी जी के बताएं मार्ग पर चल रहा है गांधी जी ने कहा था मैं सत्य के प्रति समर्पित हुं,मेरे पास सत्य की ही ताकत है, और डरो मत जब तक समाजिक न्याय न हो और समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को यह ना लगे की यह सरकार मेरी है मैं इसका मालिक हूं सरकारी मशीनरी मेरी नौकर है तब तक संघर्ष करते रहो । उनका कहना था कि गांधी जी के विचारों को आगे बढ़ाने का काम हमारे नेता राहुल गांधी जी कर रहे है । व गांधी की के विचारो को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिए हुए हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खान, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेश यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष इरशाद गोरी, हकीमुद्दीन, महेंद्र पाल सिंह सुभान गोरी ,आशीष जैन, जुनैद खान, जहीरूद्दीन भैया सहित अनेक कांग्रेसी नेता उपस्थित थे।

मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन

विदिशा। महात्मा गांधी की जयंती पर दो से आठ अक्टूबर तक मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन किया जाएगा ततसंबंध में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय द्वारा दिवसवार आयोजित होने वाले कार्यक्रम जारी किए गए है। नशीले पदार्थो के सेवन से मुक्त हेतु आयोजित होने वाली गतिविधियों के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए है। पहले दिन अर्थात दो अक्टूबर को सामूहिक शपथ कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। इसके अलावा वाहन रैली तथा प्रत्येक वार्ड व ग्राम पंचायत पर जारी कार्यक्रम अनुसार गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। दूसरे दिन अर्थात तीन अक्टूबर को हाई एवं हायर सेकेण्डरी एवं महाविद्यालयो में गतिविधियां आयोजित की जाएगी जिसमें नशामुक्ति पर आधरित चित्रकला , रंगोली प्रतियोगिताएं होगी।

ग्राम सभा की सार्थकता ग्राम के अंतिम व्यक्ति की सहभागिता

सिरोंज। ग्राम पंचायत पठारी हवेली में आयोजित विशेष ग्राम सभा में पंचायत राज भारत शासन सलाहकार सुश्री जीनत तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम सभा का महत्व तभी सार्थक होगा जब ग्राम के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की सहभागिता सुनिश्चित हो। ग्राम सभा में ग्राम पंचायत में किए गए कार्य उनकी समीक्षा एवं भविष्य में किए जाने वाले कार्यो की सुनिश्चितता तय की जाती है। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी ने सरकार की संचालित गतिविधियों में ग्रामीणों की सहभागिता की अनिवार्यता पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण जन की सहयोगिता से ही सरकार की योजनाएं जमीनी स्तर पर परीक्षित होती हैं। जनपद सीईओ श्री जितेंद्र जैन द्वारा स्वागत भाषण में स्वच्छ ग्राम स्वस्थ ग्राम एवं नशा मुक्त ग्राम की अवधारणा पर विस्तृत चर्चा करते हुए शपथ दिलाई की ग्राम को नशा मुक्ति बनाते हुए यदि कोई व्यक्ति नशा करता हुआ पाया गया तो उसे पर 500 रुपए का जुर्माना लगाने, ग्राम में स्वच्छता के कार्य आपस में मिलजुल कर बातचीत से करने की समझाइश दी गई। ग्राम सभा में ग्राम ग्राम पंचायत विकास योजना का वाचन कर कराए गए कार्यो एवं भविष्य में लिए जाने वाले कार्यो के ग्रामीणों द्वारा दिए गए सुझावों को शामिल किया। पिरामल फाउंडेशन के अधिकारियों द्वारा पंचायत विकास सूचकांक में निश्चित नौ टीमों में से एक थीम पर कराए गए कार्यो की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत में ग्राम की बेटियों द्वारा स्वागत गीत एवं स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

मेट्रो एंकर

नगर पालिका के स्वच्छता अभियान के कार्यक्रम में खाली रही कुर्सियां

आज भी गड्ढे में सिरोंज,डेंगू की मार, नहीं मिल रहा मरीजों को इलाज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर की साफ-साफ व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण नगर पालिका परिषद के द्वारा सफाई मित्रों का सम्मान करने के लिए आयोजित किए गए कार्यक्रम में नगर वासियों के लिए लगाई गई कुर्सियां खाली पड़ी हुई थी इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ , सीएमओ रामप्रकाश साहू ने इन सफाई मित्रों का सम्मान करते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में सफाई मित्र नगर की साफ सफाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इनके इस काम की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। दूसरी ओर साफ-सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण नगर पालिका के अधिकांश कार्यक्रम में नगरवासी सहभागिता नहीं कर रहा है इस बार की जानकारी होने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन के द्वारा अपने काम में सुधार नहीं किया जा रहा है। गली मोहल्ले में गंदगी के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है मच्छरों की भरमार हो रही है डेंगू के मामले में तेजी से समाने आ रहें हैं। इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत कार्यक्रम करके अभियान चला रहे हैं। वहीं बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में 2 बजे के बाद भी कुर्सियां खाली पड़ी हुई थी जबकि नगर पालिका ने 1 बजे कार्यक्रम की सूचना दी गई थी।

डेंगू की मार -

गली मोहल्ले में गंदगी के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है मच्छरों की भरमार हो रही है डेंगू के मामले में तेजी से समाने आ रहें हैं। इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत कार्यक्रम करके अभियान चला रहे हैं, साफ-सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण नगर पालिका के अधिकांश कार्यक्रम में नगरवासी सहभागिता नहीं कर रहा है इस बार की जानकारी होने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन के द्वारा अपने काम में सुधार नहीं किया जा रहा है।

डॉक्टर नहीं कर पा रहे इलाज -

सालों से सिरोंज में डॉक्टरों की कमी रही है लोगों का कहना है कि आजादी बाद से आज तक सिरोंज में यही होता रहा है पहले तो डॉक्टर इलाज करते है फिर बाद में कह देते है कि भोपाल ले जाओ आज भी चाहे वोह झोलाछाप डॉक्टर हो या एमबीबीएस डॉक्टर मरीजों का डेंगू का इलाज कर रहे है इनसे पैसा कमा रहे है और बाद में हालत खराब होने पर भोपाल रिफर कर रहे है, भोपाल लेजाते मरीज रास्ते में ही मर जाता और भोपाल पहुँच कर इलाज कराने में उनकी कमर टूट जाती है जिनके पास पैसा होता है वोह आसानी से भोपाल चले जाते है और जिनके पास पैसा नहीं होता वोह इलाज करा ही नहीं पाते, यहाँ का सरकारी सिस्टम कब ठीक होगा, यहाँ पर कब लोगों को सरकारी व्यवस्थाओं का पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त होगा, यहाँ पर काग्रेस और बीजेपी के दोनों के ही विधायक बन चुके है परन्तु आज तक यहाँ के लोग पूर्ण से सरकारी सुख सुविधा से वंचित है।

चलती मोटरसाइकिल में आया सांप, चालक ने गाड़ी छोड़कर भागा

सिरोंज। बुधवार को बासौदा नाके पर अचानक मोटरसाइकिल में चालक के हाथ पर सांप आने से चालक ने चलती गाड़ी को नीचे छोड़ दिया इसके बाद गाड़ी के अंदर सांप को खोजता रहा यहां पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। चलती गाड़ी में से जैसे ही उसने सांप देखा तो उसने गाड़ी को छोड़ा इस दौरान चालक काफी भयभीत नजर आ रहा था और डरा हुआ था उसने बताया कि एकदम से मेरे हाथ पर सांप आ गया तो मैं गाड़ी को छोड़ दिया।

जीत के 'गंभीर' मायने

भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

टीम इंडिया ने इंग्लैंड के बैजबॉल अंदाज में खेलते हुए बांग्लादेश को कानपुर टेस्ट में मात्र दो दिन (180 ओवर से भी कम) के खेल में हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। गौरतलब है कि टेस्ट में आधिकारिक तौर पर एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। पाकिस्तान को उसी के घर में शिकस्त देकर बुलंद हौंसले के साथ पहुंची बांग्लादेश टीम को पहले टेस्ट में भी टीम इंडिया ने 280 रनों से हराया था।भारतीय टीम की बांग्लादेश के खिलाफ दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में यह पांचवीं क्लीन स्वीप है। टीम इंडिया ने घरेलू जमीन पर लगातार यह 18वीं टेस्ट सीरीज जीती है। टेस्ट मैचों की सीरीज में घरेलू मैदानों की बादशाहत के मामले में टीम इंडिया के रिकॉर्ड से दूसरे नंबर की ऑस्ट्रेलिया (10सीरीज) कोसों दूर है।बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद अब भारत का सामना न्यूजीलैंड से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में होगा जबकि इस साल के अंत में टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी।मतलब साफ है कि आने वाले इन टेस्ट मैचों में ही टीम इंडिया 2025 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की जगह पक्की करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।अब हम अगर भारत-बांग्लादेश मौजूदा टेस्ट सीरीज की करें, तो फिर यह सीरीज टीम इंडिया के आक्रामक 'गंभीर' कोच के नये अंदाज का आगाज कहा जा सकता है।वैसे तो रक्षात्मक कोच राहुल द्रविड़ की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने के बाद से ही गौतम गंभीर ने टीम इंडिया के कोच की कमान संभाल ली थी, हालांकि जिम्बाब्वेऔर श्रीलंकाई दौरे में उनका वह आक्रामक अंदाज नहीं नजर आया जिसके लिए वह जाने जाते हैं। इसकी खास वजह ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों और कोच के बीच का नया तालमेल भी हो सकता है। घरेलू मैदानों पर 2012 से टेस्ट सीरीज में लगातार जीतने वाली टीम इंडिया के लिए बांग्लादेश सीरीज भले ही सामान्य जीत रही हों, लेकिन मेरे नजरिये में इस जीत के गंभीर मायने काफी अलग हैं। दरअसल टेस्ट मैचों में टीम इंडिया के खिलाड़ियों पर अगर नजर डालें तो फिर बांग्लादेश के खिलाफ मैदान पर उतारने वाली टीम इंडिया में ज्यादा बदलाव नहीं था।टीम के ज्यादातर खिलाड़ी वही थे,जो पिछले कुछ सालों से टीम इंडिया का हिस्सा हैं। टेस्ट मैचों में घरेलू मैदानों पर टीम इंडिया की सबसे बड़ी ताकत उसका फिरकी हथियार रहता था। इस सीरीज के लिए भी घोषित टीम इंडिया में चयनकर्ताओं ने कोई फेरबदल नहीं किया। अश्विन, जडेजा की मैच जिताऊ जोड़ी के साथ कुलदीप और अक्षर पटेल को भारतीय टीम में जगह दी। सीरीज में भी पहले की तरह ऐसा माना जा रहा था कि टीम इंडिया 3 फिरकी 2 पेसर के कॉम्बिनेशन के साथ मैदान में नजर आयेगी, गंभीर की सोच से अलग नजर आयी। पहले टेस्ट मैच में आकाशदीप को एकादश में शामिल करना व उसके बाद कानपुर में भी 3 पेसर के साथ मैदान में उतरना उनकी दूरगामी सोच दिखाता है। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं उनके दिमाग में घरेलू सीरीज के साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे की योजना भी काम कर रही है। यह बात वह भली भांति जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी यूनिट को मजबूत करने के लिए किसी भी नए तेज गेंदबाज को आत्मविश्वास दिलाना बेहद जरूरी है। आकाशदीप की गेंदबाजी फिलहाल इसका सफल प्रयोग कहा जा सकता है।अब यह देखना रोचक रहेगा कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी गंभीर तेज गेंदबाजी का कौनसा नया पैंतरा चलते हैं। सीरीज में गेंदबाजों से हटकर अगर बल्लेबाजी ताकत की बात करें तो के एल राहुल से पहले पंत को भेजना उनके लेफ्ट राइट कॉम्बिनेशन का बेहतर समायोजन समझा जा सकता है। टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने पहले टेस्ट की पहली पारी की असफलता को भुला कर जिस अंदाज में बाकी पारियों में बल्लेबाजी की है वह वाकई तभी हो सकती है जब टीम का कोच ओर कप्तान बल्लेबाजों को इस तरह के खेल के लिए प्रेरित करे। हाल फिलहाल में टीम इंडिया के कप्तान तो रोहित शर्मा ही हैं, मगर अब कोच गंभीर हैं। कानपुर टेस्ट मैच की पहली पारी के 34.2ओवर में 285 रन के लिए सभी बल्लेबाजों का खेल यही बयां करता है कि गंभीर का नजरिया आगे भी क्या रहने वाला है।

10 टीमों के बीच 17 दिन में 23 मैच खेले जाएंगे

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप आज से

नईदिल्ली. एजेंसी

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप आज से यूएई में शुरू हो रहा है। 10 टीमों के बीच 17 दिन में 23 मैच खेले जाएंगे। 5-5 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है, टीम इंडिया, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के साथ ग्रुप -ए में है। टूर्नामेंट का फाइनल 20 अक्टूबर को दुबई में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच बड़ा मुकबला 6 अक्टूबर को दुबई में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने आज तक एक भी वर्ल्ड कप नहीं जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया 6 बार की टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के नाम भी 1-1 खिताब हैं।

मेंस टी-20 वर्ल्ड कप से अलग विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 10 ही टीमें हिस्सा ले रही हैं। 5-5 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। एक टीम ग्रुप स्टेज में 4 मैच खेलेगी। 15 अक्टूबर तक ग्रुप स्टेज के 20 मैच होंगे। ग्रुप स्टेज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली 2-2 टीमें सेमीफाइनल में एंट्री करेंगी। बता दें ग्रुप-ए में भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका विमेंस की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की टीमें हैं। स्कॉटलैंड विमेंस ने पहली बार ही टी-20 वर्ल्ड कप में जगह बनाई है। 2 सेमीफाइनल 17 और 18 अक्टूबर को होंगे। पहले सेमीफाइनल में ग्रुप-ए की टॉपर का सामना ग्रुप-बी में दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा। इसी तरह दूसरे सेमीफाइनल में ग्रुप-ए में दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का सामना ग्रुप-बी में पहले नंबर पर रहने वाली टीम से होगा। सेमीफाइनल जीतने वाली टीमों के बीच 20 अक्टूबर को फाइनल होगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच बड़ा मुकबला 6 अक्टूबर को

हरमनप्रीत की कप्तानी में 58 फीसदी मैच जीतता है भारत

वैसे तो टूर्नामेंट में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं लेकिन स्ट्रेंथ और फॉर्म के लिहाज से इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत का दावा बाकियों से ज्यादा मजबूत लग रहा है। मेंस क्रिकेट की टॉप टीमों में शामिल भारत के पास विमेंस क्रिकेट की भी टॉप टीम है, लेकिन टीम के खाते में बस एक आईसीसी ट्रॉफी की कमी है। पिछले 10 साल में इंडिया विमेंस टीम ने ऑस्ट्रेलिया को सबसे ज्यादा चैलेंज किया और उन्हें कई बार हराया भी। बड़े मैच के प्रेशर में भारत ने कभी ऑस्ट्रेलिया तो कभी इंग्लैंड के खिलाफ नॉकआउट मैच गंवाए और ट्रॉफी जीतने का मौका गंवा दिया। अब टीम के पास अपने इतिहास की पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने का मौका है। टी-20 वर्ल्ड कप में 56 फीसदी मैच जीते 2009 और 2010 का टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल हारने के बाद इंडिया विमेंस टीम अगले 3 बार ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। 2018 से टीम ने फिर हरमनप्रीत कौर की कप्तानी से नॉकआउट स्टेज में पहुंचना शुरू किया। टीम को 2 बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। पिछले 2 बार से टीम को ऑस्ट्रेलिया ने ही नॉकआउट में हराकर बाहर किया। टूर्नामेंट इतिहास में टीम ने 36 मैच खेले और 16 गंवा दिए। हालांकि, 20 में टीम को जीत भी मिली। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बाद भारत सबसे सफल टीम है। 2021 से भारत ने 54व टी-20 जीते 2017 के बाद से भारत ने टी-20 और वनडे दोनों फॉर्मेट में तेजी से इम्प्रूव किया है, लेकिन ट्रॉफी दूर ही रही। 2021 के बाद से टीम ने 69 मैच खेले और 37 में जीत हासिल की।

भारत लगातार दूसरी बार बना चैंपियन

थिम्पू (भूटान). एजेंसी

भारत की फुटबॉल टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को 2-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप का अपना खिताब बरकरार रखा। मैच का पहला हाफ भारत के ग्रुप लीग मैच जैसा ही था। जहां भारतीय खिलाड़ी लगातार हमलावर रहे। वहीं बांग्लादेश के छह खिलाड़ी डिफेंस में लगे रहे। इसके बाद मोहम्मद कैफ ने 58वें मिनट में हेडर से बेहतरीन गोल करके भारत को बढ़त दिलाई।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप: फाइनल में बांग्लादेश को 2-0 से दी शिकस्त

अरबाश ने बाएं पैर से दागा गोल: मैच के 95वें मिनट में मोहम्मद अरबाश ने बाएं पैर से शानदार गोल कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। मैच के दौरान केवल एक बार बांग्लादेश भारतीय गोल के करीब पहुंचा। लेकिन गोलकीपर सूरज सिंह ने सफलतापूर्वक बचाव कर लिया।

निशानेबाजी: भारत के पार्थ माने चमके, दो स्वर्ण पदक जीते

लीमा. एजेंसी

पार्थ राकेश माने ने जूनियर विश्व चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरे स्वर्ण पदक अपने नाम किए। आइएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में पार्थ ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत खिताब जीतने के बाद, अजय मलिक और अभिनव शॉ के साथ मिलकर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता।

महिला टीम भी विजेता: गौतमी भालोट, शांभवी क्षीरसागर और अनुष्का थोकुर की भारतीय महिला टीम ने 10 मीटर एयर राइफल में 1894.8 के संयुक्त स्कोर के साथ नया जूनियर विश्व रेकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय महिला टीम ने द.अफ्रीका को हराया

दुबई. एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने आइसीसी टी-20 विश्व कप से पूर्व अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को 28 रन से हरा दिया। मंगलवार को यहां खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 144 रन बनाए, जिसमें रिचा घोष ने 36, दीप्ति शर्मा ने नाबाद 35 और जेमिमा रोड्रिग्ज ने 30 रन का योगदान किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 116 रन ही बना सकी।भारतीय गेंदबाजों ने बेहद किफायती गेंदबाजी की।

मेट्रो बाजार

दस से पंद्रह फीसदी महंगे हो गए सूखे मेवे और फलाहारी सामग्री

भोपाल. दोपहर मेट्रो

नवरात्रि आज से शुरू हो रहा है। पर्व को भक्तिभाव से मनाने के लिए उपभोक्ता वर्ग ने फलाहारी सहित पूजन सामग्री खरीदने के लिए बाजारों का रूख किया हुआ है। सबसे ज्यादा फलाहारी वस्तुओं में मांग देखी जा रही है। हालांकि दक्षिण भारत के राज्यों में हुई तेज बारिश के असर से मेवों की फसल को प्रभावित किया है, नतीजतन गत वर्ष की तुलना में कुछ सूखे मेवों के भाव में 10 से 15 फीसदी तक की तेजी आ गई है। त्योहार के लिए नारियल, शक्कर, काजू, खाद्य तेल, इलायची सहित अन्य वस्तुओं में तेजी का वातावरण बन गया है। हालांकि फलीदाना के भाव गत वर्ष से कम है। कारोबारियों का कहना है कि किराना बाजार में इस समय फलाहारी सामान की मांग काफी ऊपर चले गए है। इसका कारण मांग और आपूर्ति में अंतर है। जिससे उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं के बजट में भी अंतर आएगा।

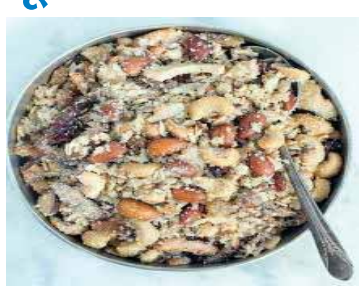

ऐसा है दामः नारियल 15/16 (प्रतिनग) तेज बनी हुई है। नवरात्र पर पूजन सामग्री के साथ ही साबूदाना, मूंगफली दाना, सेंधा नमक, सिंगाड़ा आटा, तेल, घी, राजगीरा, शक्कर जैसे सामान की मांग ज्यादा बनी हुई है। खाद्य तेलों में रेकॉर्ड तेजी है। इसी प्रकार नारियल गत वर्ष 14/15 रुपए में थोक मंडी में बिक रहा था, इस बार इसके भाव 22 से 25 रुपए तक बोले जा रहे हैं। थोक किराना कारोबारी का कहना है कि दक्षिण भारत से सूखे मेवों की आवक ज्यादा होती है। कई राज्यों में भारी बारिश से मेवों की आवक और क्वालिटी पर असर डाला है। तेल-शक्कर ब्रोकर ने बताया कि किराना में कुछ वस्तुओं के दाम 20/25 रुपए (प्रति नग), साबूदाना 50/75 60/90 रुपए किलो, खोपरा गोला 200/210 260/280 रुपए किलो, मूंगफली दाना 130/140 100 /120 रुपए किलो, सिंगाड़ा आटा 110/120 120/130 रुपए किलो, राजगीरा 140/150 140/150 रुपए किलो, मोरधन 90/110 100/130 रुपए किलो, शक्कर 36/38 40/41 रुपए किलो, किशमिश 200/350 200 /350 रुपए किलो, बादाम 550/700 650 /800 रुपए किलो, अखरोट 400/600 400/ 700 रुपए किलो तक पहुंच गया है।

20 नवंबर से एफएंडओ ट्रेडिंग में कॉन्ट्रैक्ट साइज होगा तिगुना, डेली एक्सपायरी बंद

मुंबई, एजेंसी. फ्यूचर्स एंड ऑप्शन (एफएंडओ) के वॉल्यूम में आ रही तेजी और इसमें छोटे निवेशकों को बड़े घाटे से चिंतित सेबी ने निवेशकों की सुरक्षा और बाजार की स्थिरता के लिए एफएंडओ के नियम सख्त किए हैं। नए नियम चरणबद्ध तरीके से 20 नवंबर से प्रभावी होंगे। इससे एफएंडओ की तेजी पर अंकुश लगने की उम्मीद है। सेबी ने 20 नवंबर से फ्यूचर्स एंड ऑप्शन ट्रेडिंग के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइज को तिगुना कर दिया है। साथ ही अनिवार्य कर दिया है कि प्रत्येक एक्सचेंज में सप्ताह में केवल एक सूचकांक के लिए ही डेरिवेटिव अनुबंध होगा। डेली एक्सपायरी बंद हो जाएगी। डेरिवेटिव्ज कांट्रैक्ट का मिनिमम ट्रेडिंग अमाउंट 15 लाख रुपए होगा, जो अभी 5 से 10 लाख रुपए के बीच है। इसके बाद दूसरे चरण में इसे बढ़ाकर 15 से 20 लाख रुपए किया जाएगा।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

इम्पोस्टर सिंड्रोम का शिकार हैं अनन्या पांडे, बोलीं- 'अपने पोस्टर देख भूल जाती हूं ये मैं ही हूं'

अभिनेत्री अनन्या अपनी फिल्मों और स्टाइलिश लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। अनन्या ने हाल ही में इम्पोस्टर सिंड्रोम से ग्रसित होने की बात कही है। अनन्या पांडे ने बताया कि खुद को पोस्टर या बिलबोर्ड पर देखकर वो भूल जाती हैं कि वो खुद उस पोस्टर में हैं। इस सिंड्रोम का शिकार हैं अनन्या पांडे एक बातचीत के दौरान अनन्या पांडे ने कहा कि वह किस तरह से अपने स्टारडम और प्रसिद्धी को अपनाती हैं। अनन्या ने कहा, ये सिंड्रोम किसी साधारण सी बात से शुरू होती है, जैसे कि जब कोई मेरा नाम लेता है। इंटरव्यू और अन्य चीजों के दौरान, मुझे लगता है कि मेरा नाम वास्तव में मेरा नहीं है, और यह मुझे तीसरे व्यक्ति जैसा महसूस कराता है। जब ऐसा होता है तो मुझे अचानक किसी और की तरह बनने का मन करता है। अनन्या ने कहा कि जब मैं खुद को किसी बिलबोर्ड में देखती हूं तो मुझे लगता है कि ये मैं नहीं हूं। कई बार ऐसा फिल्मों को देखकर भी लगता है। मैं इसे एक दर्शक की तरह ही देखती हूं। मैं भूल जाती हूं कि सामने मैं ही नजर आ रही हूं।

अभिनय के मास्टर हैं केके मेनन, थिएटर से दर्शकों के दिल तक का तय किया सफर

जब भी बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकारों का नाम लिया जाएगा, उस लिस्ट में केके मेनन का नाम जरूर आएगा। अपने शानदार और जीवंत अभिनय के लिए मशहूर अभिनेता केके मेनन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन फिल्में की हैं। अभिनेता अपने कौशल के दम पर लाखों दिलों पर राज करते हैं। केके मेनन ने अभिनय की शुरुआत थिएटर से की थी। उन्होंने पहली बार थिएटर में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के साथ काम किया। एक लंबा समय थिएटर को देने के बाद साल 1995 में फिल्म 'नसीम' से उन्हें पहला ब्रेक मिला। हालांकि, इस फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्होंने कई शानदार फिल्में की और अपने अभिनय कौशल के दम पर दर्शकों के दिल पर छा गए। सिर्फ फिल्मों में ही नहीं अभिनेता टीवी शोज में भी अपने अभिनय का कमाल दिखा चुके हैं। अभिनेता ने 'प्रधान मंत्री', 'लास्ट ट्रेन टू महाकाली', 'जेबरा 2' जैसे शोज में भी अपना जलवा दिखाया है। अभिनेता जब थिएटर कर रहे थे, उसी दौरान उन्होंने अभिनेत्री निवेदिता भट्टाचार्य से शादी की। अभिनेत्री उनके संघर्ष के दिनों से ही साथ है। बता दें कि निवेदिता टीवी के दुनिया में सक्रिय रहती हैं।

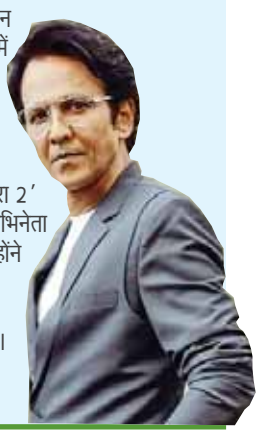

तारा सुतारिया भले ही बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री है, लेकिन इस समय उनके हाथ में प्रोजेक्ट्स की कमी नजर आ रही है। प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोरने वाली तारा पिछले दिनों अपने कथित एक्स बॉयफ्रेंड आदर जैन की सगाई को लेकर चर्चा में थीं। हालांकि, इसके बाद तारा का नाम अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ जुड़ने लगा। अब अभिनेत्री ने खुद चुप्पी तोड़ इन सभी अफवाहों पर विराम लगाया है। बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने हाल ही में अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ डेटिंग की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। कुछ दिनों पहले अफवाह आई थी कि वह अभिनेता के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया था और यह पहली बार है जब तारा ने डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है।

एक्टर को डेट करने की अफवाहों पर भड़कीं तारा सुतारिया

कहा- हम एक अच्छे दोस्त हैं

तारा ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि वह सिंगल हैं। अभिनेता के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए तारा ने कहा, अरुणोदय मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और मैं सिंगल हूं। इससे पहले सामने आई एक रिपोर्ट ने पुष्टि की कि तारा अरुणोदय को डेट कर रही हैं और यह भी दावा किया कि दोनों डेढ़ साल से एक साथ हैं। वही, कथित तौर पर तारा इससे पहले रणबीर कपूर के चचेरे भाई अदार जैन को डेट कर रही थीं और दोनों ने अपने रिश्ते को आधिकारिक भी कर दिया था, हालांकि यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चला। वर्कफ्रंट की बात करें तो तारा ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

जीआरपी ने चोरी का मोबाइल खरीदने वाले बदमाश भी गिरफ्तार

महिला का पर्स चुराने वाला चोर गिरफ्तार
1 लाख 90 हजार का माल जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जीआरपी भोपाल ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर उससे एक लाख 90 हजार रुपए का चोरी का माल बरामद किया। आरोपी ने जून माह में ओवर नाइट ट्रेन में सफर कर रही महिला का लेडीज पर्स चोरी किया था। आरोपी ने पर्स में रखा मोबाइल एक युवक को बेच दिया था। उसी मोबाइल की लोकेशन के आधार पर पुलिस ने पहले चोरी का मोबाइल खरीदने वाले युवक को हिरासत में लिया और उसके बाद चोरी करने वाले आरोपी को भी दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार मूलरूप से मंडला निवासी प्रवेश यादव विगत 14 जून 2024 को अपनी पत्नी के साथ ओवर नाइट ट्रेन से जबलपुर से देवास की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान उनकी पत्नी का लेडीज पर्स कोई अज्ञात बदमाश

चुरा ले गया। पर्स में सोने का मंगलसूत्र, सोने का हार, एक मोबाइल समेत अन्य सामान रखा था। प्रवेश ने घटना की रिपोर्ट थाना जीआरपी भोपाल में दर्ज करा दी थी। जीआरपी ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी। तकनीकी आधार पर मोबाइल की लोकेशन के आधार पर संदेही रेहान (19) निवासी गरम गड्डा, स्टेशन बजरिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। रेहान खान ने स्टेशन पर घूमने वाले एक युवक से मोबाइल खरीदना कुबूल किया। लिहाजा पुलिस ने संदेह के आधार पर संतोष उर्फ राहुल (20) निवासी अयोध्या नगर को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया। पुलिस ने आरोपी के बताए ठिकाने से एक लाख 90 हजार रुपए का माल बरामद किया है।

चार यात्रियों के मोबाइल चोरी, ट्रेनों में नहीं थम रही वारदातें

राजधानी से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों में चोरी और लूटपाट की घटनाएं थम नहीं रही हैं। पिछले चौबीस घंटों में सफर के दौरान चार यात्रियों की जेब से कीमती मोबाइल फोन चोरी हो गए। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इटारसी निवासी प्रेमशंकर अपने रिश्तेदारों के साथ अमरकंटक एक्सप्रेस में भोपाल से इटारसी जा रहे थे। उन्होंने अपना मोबाइल फोन शर्ट की जेब में रखा था। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन आने से दो मिनट पहले देखा तो मोबाइल चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत साढे बारह हजार रुपये बताई गई है। सिवनी निवासी प्रवीण श्रीवास्तव ओवरनाइट एक्सप्रेस से जबलपुर से रानी कमलापति स्टेशन की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन से उतरने के बाद वह ओवर ब्रिज पर पहुंचकर आराम करने लगे। इस दौरान उन्होंने अपना मोबाइल हाथ में पकड़ा हुआ था। कुछ देर बाद नींद खुली तो मोबाइल फोन गायब था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 30 हजार रुपए बताई गई है। बर्थ पर रखा मोबाइल चोरी चित्रकूट उत्तर प्रदेश निवासी प्यारेलाल पाल रीवांचल एक्सप्रेस में सतना से रानी कमलापति स्टेशन आए थे। इस दौरान उन्होंने अपना मोबाइल फोन बर्थ पर रख दिया था। कुछ देर बाद देखा तो साढे बारह हजार रुपये कीमत का मोबाइल गायब था। इसी प्रकार होशंगाबाद निवासी उमेश कुमार जबलपुर से इटारसी पहुंचे थे। इटारसी से भोपाल आने के लिए वह कामायनी एक्सप्रेस के जनरल कोच में बैठ गए।

रिपेयर के लिए दिया मोबाइल हड़पा, एफआईआर दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर दुकानदार के खिलाफ अमानत म खयानत का मामला दर्ज किया है। महिला का अरोप है कि अक्टूबर 2023 में उन्होंने अपना चालीस हजार रुपए का मोबाइल रिपेयरिंग के लिए दुकानदार को दिया था। दुकानदार ने मोबाइल सुधारकर देने की बात कही थी, लेकिन उसने मोबाइल सुधारकर नहीं दिया। साथ ही बिगड़ा हुआ मोबाइल हड़प लिया।

पुलिस के अनुसार अनामिका रावत पममेंदर रावत (38) युवराज क्लब के सामने विदिशा में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि इन दिनों वह एमरॉल्ड सिटी बागसेवनिया में रह रही हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि अक्टूबर 2023 में उन्होंने अपना मोबाइल बिगड़ने पर मेन रोड बागसेवनिया की एक दुकान में रिपेयरिंग के लिए दिया था। दुकानदार प्रवेश पटेल ने मोबाइल ले लिया और जल्द ही रिपेयर करके के देने की बात कही। लंबा समय बीत गया, लेकिन उसने मोबाइल नहीं दिया। अनामिका ने अपना मोबाइल मांगा तो वह आजकल में लौटाने की बात कहने लगा। बाद में उसने मोबाइल लौटाने से इंकार कर दिया। लिहाजा अनामिका ने बागसेवनिया पुलिस को शिकायती आवेद दिया था। पुलिस ने आवेदन जांच के बाद आरोपी प्रवेश पटेल के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है।

पिस्टल-कारतूस के साथ बदमाश गिरफ्तार

तलैया थाना पुलिस ने एक आदतन अपराधी को देशी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी वारदात की नीयत से पिस्टल लेकर घूम रहा था, तभी पुलिस के हत्थे चढ गया। तलैया पुलिस ने बताया कि अरबाज शेख (22) मुर्गी बाजार जहांगीराबाद का रहने वाला है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट और आर्म्स एक्ट समेत करीब एक दर्जन अपराध दर्ज हैं।

रुपए नहीं देने पर युवक पर छुरी से हमला

भोपाल। हनुमानगंज इलाके में एक बदमाश ने होटल कर्मचारी के साथ एक हजार रुपए के लिए अड़ीबाजी की। युवक ने जब रुपये देने से इंकार किया तो उसने छुरी से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मो। अदनान (22) सलीम चौक काजीकैंप हनुमानगंज में रहता है और एक होटल में काम करता है। रात करीब सवा बारह बजे अनस उर्फ दाना नामक बदमाश उसके पास पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए एक हजार रुपए देने की मांग करने लगे। अदनान ने जब रुपये देने से इंकार किया तो उसने छुरी से हमला कर दिया। छुरी रोकने के चक्कर में अदनान के हाथ में गंभीर चोट आई है। पुलिस बदमाश की तलाश कर रही है।

राजा भोज प्रतिमा के सामने तालाब में गंदगी करने वाला गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा स्थित बड़े तालाब में राजा भोज की प्रतिमा के सामने तालाब में गंदगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दावा किया कि उसने गुनाह कबूल लिया है। पुलिस के अनुसार अहमदाबाद पैलेश कोहेफिजा निवासी 46 वर्षीय इरशाद खान ने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि 27 सितंबर की सुबह करीब 5 बजे वह रेलवे स्टेशन से रेतघाट होते हुए वीआईपी रोड से अपने घर जा रहा था। तभी राजा भोज प्रतिमा के सामने 20-25 का लडका रेलिंग से सटकर बडे तालाब मे पेशाब कर रहा था। गंदगी तालाब के पानी में जा रही थी। लोगों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। पेशाब करने के बाद वह अपनी कार से चला गया। घटना के एक दिन बाद सोशल मीडिया में उस युवक का बडे तालाब में पेशाब करने का वीडियो शेयर किया। जिसे इरशाद ने भी देखा। तबीयत खराब होने की वजह से वह शिकायत नहीं कर सका था। पुलिस ने कार के नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान अशोक विहान कॉलोनी अशोगा गार्डन निवासी 25 वर्षीय परिणाल के रूप में हुई है।

भोपाल के भवानी मंदिर में नवरात्रि के प्रथम दिन मॉ दुर्गा की पूजा-अर्चना करते भक्तगण।

अवैध शराब तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी जयंती पर शराब की दुकानें बंद होने के कारण अवैध शराब तस्कर सक्रिय रहे। कई तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास रखी हजारों की शराब जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं। टीटी नगर पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि जवाहर चौक स्थित अटल पथ पर एक युवक अवैध रूप से शराब बेचने की फिराक में घूम रहा है। इलाके में गश्त कर रही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदेही युवक ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अखिलेश कस्तुआर (38) निवासी ग्राम कलखेड़ा थाना रातीबड़ बताया। तलाशी लेने पर उसके पास बैग में रखे 49 क्वार्टर देशी मसाला शराब जब्त हुई। जब्त हुई शराब की कीमत करीब पांच हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर

लिया है। इधर ऐशबाग पुलिस ने सुभाष नगर फाटक के पास अनिल शिवहरे को गिरफ्तार कर चार बोतल अंग्रेजी और छह क्वार्टर देशी शराब जब्त की।

जब्त हुई शराब की कीमत साढे तीन हजार रुपए बताई गई है। अवधपुरी पुलिस ने ऋषीपुरम के पास रवींद्र एंथोनी से बारह सौ रुपए और शाहजहांनाबाद पुलिस ने प्रभु नगर के पास प्रकाश मनेटे से अट्ठारह सौ की अवैध शराब जब्त की है। देहात में भी पकड़ाई अवैध शराब परवलिया थाना पुलिस ने ग्राम कुराना के पास आनंद अहिरवार, कंकाली ढाबा के पास बृजमोहन वंशकार, रतनपुर से जगदीश नागर और रसूलिया पठार से प्रदीप सिलावट को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया।

ई रिक्शे से गिरकर डेढ़ साल के मासूम की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित लांबाखेड़ा में बीती रात चलते आटो से गिरने के कारण डेढ़ साल का मासूम घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज बच्चे का शव पीएम के बाद परिजन को सौंपा जाएगा।

पुलिस के अनुसार मूलतः रीवा निवासी हरिकेश अहिरवार नवीबाग भोपाल में रहते हैं। वे बुधवार रात रिश्तेदारी में गए थे। वहां से अपनी पत्नी और डेढ़ साल के बच्चे विदित अहिरवार के साथ ई रिक्शा से घर लौट रहे थे। विदित उनकी पत्नी के गोद में था। रात करीब साढे दस बजे के आसपास परिवार लांबाखेडा पहुंचा था, तभी आटो में बैठी हरिकेश की पत्नी के गोद से विदित फिलस गया और चलते आटो से गिर गया। परिजन उसे इलाज के लिए भानपुर स्थित निजी अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

घर के सामने खड़ा रिक्शा चोरी

टीटी नगर इलाके में घर के सामने खड़ा इलेक्ट्रिक रिक्शा चोरी चला गया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सोनू विश्वकर्मा (35) मद्रासी कालोनी, पंचशील नगर थाना टीटी नगर में रहता है और ड्रायवरी करता है।

चलती ट्रेन से गिरे यात्री की मौत

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित देवकी नगर में रेलवे ट्रैक एक यात्री चलती ट्रेन से गिर गया। कुछ लोगों ने उसे रेलवे ट्रैक के पास घायल अवस्था में पड़ा देख डायल 100 को सूचना दी। डायल 100 उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहंची, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मेट्रो एंकर | पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त बैठक

गरबास्थल पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आगामी त्यौहार दुर्गाउत्सव, नवरात्रि में शांति और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने कमिश्नर कार्यालय के सभागार में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में सभी पुलिस आयुक्त, शहर काजी, समिति के आयोजक, गरबा आयोजक, डीजे संचालक समेत निगम के जोनल अधिकारी सम्मलित रहे।

बैठक में पुलिस आयुक्त मिश्र ने कहा कि नवरात्रि एवं दशहरा पर्व शहर में बड़ी ही धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है। इस दौरान भारी संख्या में शहर एवं बाहर के शहरों समेत कस्बों की जनता झांकी स्थलों एवं गरबा स्थलों पर आती हैं। उनकी सुरक्षा एवं पंडालों

की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दुर्गा पंडालों एवं गरबा स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रुप से लगवाएं, साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला वालंटियर भी लगाएं नवरात्रि पर्व, गरबा महोत्सव, रामलीला, रावण दहन, चल समारोह, जुलूस व प्रतिमा विसर्जन के दौरान विशेष सावधानियां बरतते हुए आमजन की सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखें झांकी एवं गरबा इत्यादि कार्यक्रम शासन के निदेशार्नुसार निर्धारित समय पर बंद करें। साथ ही लाउडस्पीकर एवं डीजे नियत समय व डेसीबल में बजाये, अन्यथा वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उपरांत बैठक में पधारे गणमान्य नागरिको से भी सुझाव एवं समस्या जानी गई एवं उनका त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को समुचित दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही पिछले त्यौहारों के दौरान दिखी कमियां के बारें मे चर्चा की गई। शहर काजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि हमारा भोपाल शांति का टापू है। सभी से गुजारिश है त्यौहार भाईचारे की भावना से मनाएं।

लेखक अशोक मनवानी को मिला हुक्मदेवी पुरस्कार

भोपाल। मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति का हिन्दी सेवी सम्मान समारोह में जनसंपर्क विभाग के अधिकारी अशोक मनवानी को कार्यक्रम में सम्मानित किया जा रहा है। अशोक मनवानी को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने स्व हुकुम देवी प्रकाश चंद्र कपूर पुरस्कार से नवाजा। पटेल ने कहा की हिंदी सेवियों ने हिंदी ही नहीं राष्ट्र की सेवा की है। उन्होंने समस्त सम्मानित लेखकों को बधाई दी। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सदस्य रघुनंदन शर्मा, हिंदी भवन के प्रमुख कैलाश चंद्र पंत ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022